दैनिक

CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो. 9653906665

अंक 02/122 | जयपुर | 21 मई /2025 | बुधवार | मूल्य रु 5 | पृष्ठ: 04

केंद्र की सुप्रीम कोर्ट से अपील, वक्फ कानून को चुनौती देने पर कहा

वक्फ पर अंतरिम आदेश के लिए 3 मुद्दों पर ही हो सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वे वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कोई आंतरिम आदेश पारित करते हैं तो 3 मुद्दों तक इसे सीमित रखें।

इनमें एक मुद्दा है अदालत द्वारा घोषित, वक्फ बाय यूजर या वक्फ बाय डीड संपत्ति को डी-नोटिफाई करने का है। दूसरा केंद्रीय और प्रदेश वक्फ बोर्ड के गठन से जुड़ा है, जिनमें गैर मुस्लिमों को शामिल किए जाने का विरोध हो रहा है और तीसरा मुद्दा वक्फ कानून के उस प्रावधान से जुड़ा है, जिसमें जिलाधिकारी द्वारा जांच और उसकी मंजूरी के बाद ही किसी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित किया जाएगा।

खास बात

- एक मुद्दा है अदालत द्वारा घोषित, वक्फ बाय यूजर या वक्फ बाय डीड संपत्ति को डी-नोटिफाई करने का, दूसरा बोर्ड के गठन से जुड़ा हुआ है

याचिकाकर्ताओं की दलील अन्य मुद्दों पर पहुंचीं: एसजी मेहता

केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से कहा कि पूर्व की पीठ की तरह सुनवाई को सीमित रखा जाए। मेहता ने कहा कि अदालत ने 3 मुद्दों की पहचान की थी। हमने सभी का जवाब दे दिया है। अब याचिकाकर्ता लिखित सबमिशन में कई अन्य मुद्दों को उठा रहे हैं। मैंने 3 मुद्दों पर हलफनामा दाखिल कर दिया है। मेहता ने कहा कि केंद्र ने इन तीन मुद्दों पर अपना जवाब दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि हालांकि, याचिकाकर्ताओं की लिखित दलीलें अब कई अन्य मुद्दों तक हैं।

सिब्बल और सिंघवी ने कहा याचिकाकर्ताओं ने किया केंद्र सरकार के सबमिशन का विरोध

याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुए वकीलों कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने सॉलिसिटर जनरल के इस सबमिशन का विरोध किया। इससे पहले 17 अप्रैल को हुई सुनवाई में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को सुनिश्चित किया था कि वे किसी भी वक्फ संपत्ति को डी-नोटिफाई नहीं करेंगे, इनमें वक्फ बाय यूजर भी शामिल है। साथ ही वक्फ बोर्डों में नई नियुक्ति पर भी कोई नई नियुक्ति न करने की बात कही थी। सिंघवी ने कहा कि तत्कालीन सीजेआई (संजीव खन्ना) ने कहा कि हम मामले की सुनवाई करेंगे और देखेंगे कि क्या अंतरिम राहत दी जानी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा

कोर्ट तब तक हस्तक्षेप नहीं कर सकता जब तक ठोस मामला न हो

वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई बीआर गवई ने वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से कहा कि संसद द्वारा पारित कानून में संवैधानिकता की धारणा होती है और जब तक कोई ठोस मामला सामने नहीं आता। कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। इससे पहले कोर्ट ने तीन मुद्दे तय किए थे –उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ, वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों का नामांकन और वक्फ के तहत सरकारी भूमि की पहचान। केंद्र ने तब आश्वासन दिया था कि वह मामले का हल होने तक इन मुद्दों पर कार्रवाई करेगा।

सीजेआई ने प्रोटोकॉल मामले पर कहा

तुच्छ मुद्दे को आगे न बढ़ाएं इसे यहीं करें खत्म

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने प्रोटोकॉल वाले मामले को आगे न बढ़ाने की अपील की है। महाराष्ट्र प्रोटोकॉल विवाद पर गवई ने कहा कि एक तुच्छ मुद्दे को अधिक नहीं बढ़ाना चाहिए। इसे लेकर खेद व्यक्त कर दिया गया। यह मामला अब बंद है। सभी से इस मुद्दे को शांत करने का आग्रह है।' सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी प्रेस नोट में जोर देकर कहा गया कि इस तरह के छोटे मामलों पर अनावश्यक विवाद से बचना चाहिए। महाराष्ट्र के मूल निवासी न्यायमूर्ति गवई रविवार को सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुंबई आए थे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और मुंबई पुलिस आयुक्त सहित राज्य के प्रमुख अधिकारी अनुपस्थित रहे थे, जिसकी काफी आलोचना हुई।

खबर संक्षेप

सोने की तस्करी में रान्या को जमानत

बेंगलुरु। सोने की तस्करी मामले में कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव और दूसरे आरोपी कोंडारू राजू को आर्थिक अपराधों की स्पेशल कोर्ट ने जमानत दी है। कोर्ट ने 2 जमानती गवाह और 2-2 लाख के बॉन्ड जमा करने को कहा है। जज विष्णनाथ सी. गौदार ने यह शर्त रखी कि दोनों आरोपी न तो देश छोड़ सकते हैं और न ही दोबारा ऐसा जुर्म करेंगे।

ट्रेन में आग से हड़कंप कोई हताहत नहीं

किशनगंज। किशनगंज से सटे गैसल रेलवे स्टेशन पर एक बार फिर बड़ा रेल हादसा होने से बाल-बाल बचा। यहां डीएमयू में आग लग गई। किशनगंज एनजेपी रेलखंड के गैसल रेलवे स्टेशन पर दोपहर में सिलीगुड़ी-मालदा कोर्ट डीएमयू पैसेंजर पहुंची थी। इंजन के पिछले कोच गार्ड ब्रेक में आग से अफरा-तफरी मच गई। कई हताहत नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बने एनसीपी के भुजबल

मुंबई। एनसीपीके दिग्गज नेता छगन भुजबल का आखिरकार इंतजार आज खत्म हो गया। मंगलवार को राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने छगन भुजबल को मंत्री पद की शपथ दिलाई। भुजबल देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं। छगन ने कहा, जो विभाग दिया जाएगा मैं संभाल लूंगा।

पत्थर खदान में चट्टान दरकने से 5 की मौत

शिवगंगा। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में पत्थर खदान में अचानक चट्टान दरकने से पांच लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। मृतकों में ज्यादातर मजदूर थे। पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मियों ने पत्थरों को हटाने के बाद तीन लोगों के शवों को बाहर निकाला। अस्पताल ले जाते समय 2और लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 को मदुरै के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा नेता मालवीय का विपक्ष के नेता पर करारा हमला

'आपरेशन सिंदूर' की सफलता पर भाजपा ने कांग्रेस को दिखाया आइना

राहुल 'पाक' की भाषा मत बोलिए हमने कितने जेट गिराए ये पूछिए

भारत की सफलता के बाद विपक्ष की ओर से नित नए आरोपों की हो रही बौछार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बार-बार विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान पर उठाने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी घिरते जा रहे हैं। अब भाजपा ने उन पर तंज कसा है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि राहुल पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं।

वे यह क्यों नहीं पूछ रहे कि हमने पाकिस्तान के कितने फाइटर जेट मार गिराए? राहुल यह भी बताएं कि उन्होंने ऐसे सफल ऑपरेशन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई क्यों नहीं दी? ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब उस पर राजनीतिक बयानबाजी जोड़ पकड़ने लगी है। जयशंकर की एक टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए राहुल ने सरकार पर नए आरोप लगाए गए हैं। राहुल ने कहा है कि हमारे हमले से पहले पाकिस्तान को इसकी जानकारी देना एक अपराध था। राहुल ने कहा कि जयशंकर ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। ऐसा करने के लिए किसने अधिकृत किया और इसके कारण हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए?

वे निशान-ए-पाकिस्तान बन रहे

भाजपा ने लगातार दूसरे दिन राहुल पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात नहीं है कि राहुल पाकिस्तान और उसके हितैषियों की भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर के लिए बधाई तक नहीं दी। ऑपरेशन स्पष्ट रूप से भारत की ताकत को दर्शाता है। इसके बजाय वे बार-बार पूछते हैं कि हमने कितने जेट खो दिए? एक सवाल जो पहले ही डीजीएमओ ब्रीफिंग में भी उठाया जा चुका है। पते की बात यह है कि उन्होंने एक बार भी यह नहीं पूछा कि संघर्ष के दौरान कितने पाकिस्तानी जेट मार गिराए गए या भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तानी एयरबेस पर बमबारी के दौरान कितने विमान अपने हैंगर में खड़े रहते हुए नष्ट हो गए। राहुल के लिए आगे क्या है? निशान-ए-पाकिस्तान? वे जबरन भारतीय सेना और सरकार पर सवाल करते हैं। वे चीन के परेमी हैं।

जयशंकर ने कही थी यह बात

दिल्ली में जयशंकर ने कहा था कि यह स्पष्ट है कि कौन गोलीबारी बंद करना चाहता था। हमने आतंकवादी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। चूंकि प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए गए थे, इसलिए मुझे लगता है कि हमने उचित रूप से यह रुख अपनाया, क्योंकि ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाक को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर।

चीन में बनी पाकिस्तानी मिसाइल हैं राहुल

राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लगातार सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने विदेश मंत्री एस. पर सवाल उठाए थे। उनके इस पोस्ट के बाद मोदी सरकार के मंत्री ने जोरदार निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी के पोस्ट पर जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी चीन में बनी पाकिस्तानी मिसाइल हैं। वे केवल गैरजिम्मेदाराना बात कर रहे हैं।

पाकिस्तान में घुसकर एक भी आतंकवादी को नहीं मारा

अयोध्या। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि पाक में घुसकर एक भी आतंकवादी को नहीं मारा गया है। ऐसी क्या बात हो गई कि 24 घंटे के भीतर ही मोदी सरकार बैकफुट पर थी। सब टांय-टांय फुस्स हो गया। देश को खुशी हुई कि देर आए दुरुस्त आए, ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवाद का खत्म होगा लेकिन कुछ नहीं हुआ।

हिरासत में भेजे गए प्रो. अली

सोनीपत। कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले सोनीपत की यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सोनीपत जिला कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में अब अगली सुनवाई 27 मई को होगी। इस बीच प्रोफेसर के पूर्वजों पर पाकिस्तान की एक राजनीतिक पार्टी को फंडिंग देने का भी आरोप है।

खरगे ने केंद्र को घेरा

ऑपरेशन सिंदूर को बताया 'छोटा सा युद्ध'

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को छोटा सा युद्ध बताया। कर्नाटक में कांग्रेस की समर्पण-संकल्प रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि पहलगाम में 26 लोग इसलिए मारे गए क्योंकि मोदी सरकार ने वहां पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया नहीं कराई। मोदी कश्मीर नहीं गए क्योंकि खुफिया एजेंसियों ने उन्हें ऐसा करने से मना किया था। अगर उन्हें बताया गया होता तो लोगों की जान बचाई जा सकती थी। रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि मुझे यह जानकारी मिली कि कर्नाटक में बहुत से लोग जमीन के मालिक हैं।

विश्व स्वास्थ्य महासभा में बोले पीएम

वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सहयोग और एकजुटता को बताया जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिनेवा में आयोजित 78वें विश्व स्वास्थ्य महासभा को संबोधित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए इस वर्ष की थीम 'वन वर्ल्ड फॉर हेल्थ' का स्वागत किया और कहा कि यह भारत की वैश्विक स्वास्थ्य संबंधी सोच से मेल खाती है। इस दौरान उन्होंने 2023 की अपनी उस ऐतिहासिक भाषण में इसका मंत्र दिया था। पीएम ने कहा कि एक स्वस्थ विश्व का भविष्य समावेश, एकीकृत दृष्टिकोण और सहयोग पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत के स्वास्थ्य सुधारों की नींव सबको साथ लेकर चलने पर टिकी है। उन्होंने 'आयुष्मान भारत' योजना का भी उल्लेख किया

स्वास्थ्य, कल्याण केंद्रों की भी चर्चा

पीएम ने भारत के हजारों स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों की चर्चा की, जो कैंसर, मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों की समय रहते जांच करने में मदद करते हैं। उन्होंने जन औषधि केंद्रों का भी जिक्र किया, जो उच्च गुणवत्ता वाली दवाइयां बहुत ही कम कीमत पर उपलब्ध कराते हैं। तकनीक के उपयोग की सराहना करते हुए भारत के डिजिटल स्वास्थ्य पहलों को भी उजागर किया जैसे कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण को ट्रैक करने वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म और यूनिक डिजिटल हेल्थ आईडी, जो बीमा, रिकॉर्ड्स और इलाज की जानकारी को जोड़ती है। उन्होंने बताया कि भारत की मुफ्त टेलीमेडिसिन सेवा से अब तक 34 करोड़ से अधिक परामर्श हो चुके हैं। इन पहलों के चलते लोगों के अपने खर्च में कमी आई है।

कमजोर वर्ग की देखभाल हो प्रमुखता

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया का स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम सबसे कमजोर वर्ग की कितनी अच्छी देखभाल करते हैं। उन्होंने वैश्विक दक्षिण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह क्षेत्र स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से ज्यादा प्रभावित है। उन्होंने बताया कि भारत का मॉडल दोहराने योग्य, बढ़ाने योग्य और टिकाऊ है और भारत अपने अनुभव पूरी दुनिया खासकर ग्लोबल साउथ के साथ साझा करने को तैयार है। उन्होंने आगामी 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जो जून में मनाया जाएगा, का भी उल्लेख किया और बताया कि इस वर्ष की थीम ' योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' है। उन्होंने सभी देशों से इसमें भाग लेने का आग्रह किया।

जिला कलेक्ट्रेटों को बम से उड़ाने की धमकी

सीकर, टोंक, राजसमंद और भीलवाड़ा में हाई अलर्ट, भवनों को खाली कराया

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान के कई जिलों के कलेक्ट्रेट कार्यालयों को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिससे प्रशासनिक महकमे में अफरातफरी मच गई। सीकर, टोंक, राजसमंद और भीलवाड़ा जिलों में कलेक्ट्रेट को उड़ाने की धमकी ई-मेल के जरिए दी गई, जिसके बाद चारों जगह सुरक्षा एजेंसियों ने मोर्चा संभाल लिया और कलेक्ट्रेट परिसरों को खाली करवाकर बम निरोधक दस्तों और डॉग स्क्वॉड की मदद से सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

सीकर में डॉग स्क्वॉड ने की तलाशी

सीकर कलेक्ट्रेट को सुबह एक संदिग्ध ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें परिसर को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई थी। कलेक्टर के निजी सचिव सर्वेश माथुर ने बताया कि ईमेल मिलते ही जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई और तत्काल कलेक्ट्रेट भवन को खाली करवा कर पूरे परिसर को सील कर दिया गया।

उत्तराखंड सरकार का फैसला

यहां के मदरसों के बच्चों को पढ़ाया जाएगा 'ऑपरेशन सिंदूर' का अध्याय

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड के मदरसों में अब बच्चों को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार ने राज्य में मदरसा पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर पर एक पूरा अध्याय शुरू करने का निर्णय लिया है। जिसमें भारतीय सेना की वीरता और देश के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक कहानी शामिल होंगी। पूरे उत्तराखंड में 451 पंजीकृत मदरसों में 50,000 से अधिक छात्र नामांकित हैं, जो अब ऑपरेशन सिंदूर के बारे में अध्ययन करेंगे।

पाठयक्रम में जल्द शामिल होगा

उत्तराखंड मदरसा बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि उत्तराखंड के मदरसों के पाठयक्रम में, हाल में भारतीय सैन्य बलों द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की गाथा को शामिल किया जाएगा।

कर्नाटक के विभिन्न स्थानों पर यलो अलर्ट जारी

12 घंटे में 130 मिली बारिश, करीब 500 घरों में घुस गया पानी

बेंगलुरु में बारिश से बिगड़े हालात 5 की मौत, सड़कें हो गईं जलमग्न

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईएमडी ने बेंगलुरु के लिए ऑरेंज अलर्ट और कर्नाटक के विभिन्न स्थानों पर यलो अलर्ट जारी किया है। यहां लगभग 12 घंटों में 130 मिमी बारिश से बेंगलुरु का भारी नुकसान हुआ है। 5 लोगों की मौत हो गई है, 500 घरों में पानी भर गया, 20 से अधिक झीलें उफान पर हैं। महत्वपूर्ण क्षेत्रों की दर्जनों सड़कें जलमार्गों में तब्दील हो गई हैं, अंडरपास और फ्लाईओवरों पर पानी भर गया है, यातायात के लिए कई घंटों तक वाहनों की आवाजाही बाधित रही और बेंगलुरु के कई इलाकों में सार्वजनिक बस सेवाएं ठप हो गईं। विभाग ने 5 दिन तक बेंगलुरु में भारी बारिश का अनुमान लगाया है।

केरल में 5 दिन पहले मानसून देगा दस्तक

बेंगलुरु में फ्लाईओवर पर पानी

दक्षिण-पश्चिम मानसून तय अनुमानित समय से पहले केरल में दस्तक दे सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले चार-पांच दिनों में केरल पहुंचने की संभावना है। यह 1 जून की सामान्य तिथि से काफी पहले है। मौसम विभाग ने पहले पूर्वानुमान लगाया था कि मानसून 27 मई तक केरल में दस्तक देगा। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, अगर मानसून उम्मीद के मुताबिक केरल पहुंचता है तो यह 2009 के बाद से सबसे जल्दी दस्तक देगा। तब यह 23 मई को शुरू हुआ था।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद किसी की ओर से कोई हस्तक्षेप या मध्यस्थता नहीं की गई

भारत-पाक सीजफायर पर कांग्रेस के खुर्शीद ने कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा बयान दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि उनकी वजह से भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ था। इसके बाद से मोदी सरकार विपक्षी दलों के निशाने पर है। हालांकि अब सलमान सलमान खुर्शीद ने कहा है कि किसी ने कोई हस्तक्षेप नहीं किया, कोई मध्यस्थता नहीं हुई इसके पहले कई कांग्रेसी केंद्र सरकार पर बार-बार सवाल उठा रहे हैं। अब इसमें कई विपक्षी पार्टियां शामिल हो गई हैं।

जो भी हुआ 2 देशों के बीच था

विदेश सचिव विक्रम मिस्री की ब्रीफिंग के बाद कांग्रेस नेता खुर्शीद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच समझ में किसी ने कोई हस्तक्षेप नहीं किया, कोई मध्यस्थता नहीं हुई। लेकिन जब दुनिया में ऐसी चीजें होती हैं तो अलग-अलग लोग संदेश भेजने की कोशिश करते हैं। लेकिन जो कुछ भी हुआ है, वह सिर्फ दो देशों के बीच हुआ है। जब मामला बढ़ा तो यह हमारे दो देशों के बीच था। जब यह खत्म हुआ तो यह दोनों देशों के बीच खत्म हुआ। इसकी शुरुआत पाकिस्तान के डीजीएमओ ने की। उन्होंने कहा कि हमें इसे खत्म कर देना चाहिए। हमने कहा कि अगर वे तैयार हैं तो ऐसा किया जाना चाहिए।

कांग्रेस ने मीडिया की स्वतंत्रता पर हमला व तानाशाही करार दिया

'गुजरात समाचार' के मालिक बाहुबली की गिरफ्तारी पर भड़का विपक्ष

▶▶ नई दिल्ली

गुजरात के सबसे पुराने अखबार गुजरात समाचार के मालिक 73 वर्षीय बाहुबली शाह की गिरफ्तारी को कांग्रेस पार्टी ने मीडिया की स्वतंत्रता पर हमला करार दिया है। बताया जा रहा है कि 25 साल पुराने मामले में ईडी ने कथित धोखाधड़ी और मनी लांड्रिंग के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया है।

पार्टी ने गिरफ्तारी को भाजपा सरकार की तानाशाही और प्रेस को नियंत्रित करने की कोशिश बताया। कांग्रेस ने कहा कि 'गुजरात समाचार' पिछले 25 वर्षों से नरेंद्र मोदी, अमित शाह, और गुजरात सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दों को बेबाकी से उठाता रहा है।

पार्टी का दावा: गिरफ्तारी का उद्देश्य उनसे बदला लेना है

पार्टी ने दावा किया कि इस गिरफ्तारी का उद्देश्य उनसे बदला लेना है। एआईसीसी और गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सरकार से इस कार्रवाई पर स्थिति स्पष्ट करने और यह बताने की मांग की कि क्या गुजरात में सवाल पूछने वाले अन्य पत्रकारों को भी निशाना बनाया जाएगा? लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इसे सरकार की तानाशाही करार दिया। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने भी इस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि बाहुबली शाह की गिरफ्तारी का असली कारण अखबार द्वारा सरकार और प्रधानमंत्री के खिलाफ आलोचनात्मक लेख प्रकाशित करना है। उन्होंने इसे प्रेस की स्वतंत्रता को कुचलने का प्रयास बताया। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी ने भी इस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 'गुजरात समाचार' पिछले 25 वर्षों से केंद्र और राज्य सरकार की आलोचनात्मक रिपोर्टिंग करता रहा है, और इसी कारण इसे निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस के अलावा, आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने भी इस कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह भाजपा के हताशा को दर्शाता है, जो हर उस आवाज को दबाना चाहती है जो सच बोलती है। केजरीवाल ने इसे पत्रकारिता का गला घोंटने की कोशिश बताया।

मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है मामला

ईडी ने इस कार्रवाई को मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक मामले से जोड़ा है, लेकिन अभी तक इस मामले में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। भाजपा सरकार की ओर से इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिसे विपक्ष ने और सवालों को जन्म देने वाला बताया है।

ईडी ने कई स्थानों पर की छापेमारी

बताया गया कि पिछले हफ्ते पहले आयकर विभाग ने दो दिनों तक 'गुजरात समाचार' के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था। शनिवार की सुबह ईडी ने कई स्थानों पर छापेमारी की और इसके बाद शाह को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के कुछ समय बाद, उनकी तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, और उसी दिन उन्हें स्वास्थ्य आधार पर जमानत मिल गई। 'गुजरात समाचार' के मैनेजिंग एडिटर और बाहुबली के बड़े भाई, श्रेयांश शाह ने बताया कि आयकर विभाग ने दो दिनों तक उनके कार्यालयों और ठिकानों की गहन तलाशी ली, जिसके बाद ईडी ने बाहुबली शाह को गिरफ्तारी वारंट के साथ हिरासत में लिया।

चिंतन

कोरोना वायरस को हराने के लिए रहना होगा सतर्क

कोरोना की फिर से वापसी की आहट सुनाई देने लगी है। यह आशंका सताने लगी है कि क्या यह फिर से अपने पांव फैला सकता है। दिसंबर 2019 में चीन के वुहान से रहस्यमय तरीके से फैले इस वायरस ने कुछ ही महीनों में दुनिया के अनेक देशों को अपनी चपेट में ले लिया था और मार्च 2020 में विश्व स्वस्थ्य संगठन ने इसे वैश्विक महामारी घोषित कर दिया। महज तीन साल के समय में वायरस की कई लहरों ने दुनियाभर में 70 लाख से अधिक लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। नवंबर 2023 में कोरोना वायरस की अंतिम लहर देखी गई थी, लेकिन बीते कुछ दिनों के दौरान एक बार फिर कोरोना की आहट सुनाई देने लगी है। एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले बढ़ रहे हैं। सिंगापुर में एक मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते तक ये संख्या 11,100 थी। यहां मामलों में 28 फीसदी का इजाफा हुआ है। हॉन्गकॉन्ग में जनवरी से अब तक 81 मामले सामने आए हैं। इनमें से 30 की मौत हो चुकी है। चीन और थाईलैंड में भी अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, यहां मरीजों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। मुंबई के केईएम अस्पताल में सोमवार को 2 कोविड पॉजिटिव मरीजों की मौत हुई है। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि इनकी मौत कोविड से नहीं, बल्कि पुरानी बीमारियों की वजह से हुई है। एक मरीज को मुंह का कैंसर था और दूसरे को किडनी से जुड़ी बीमारी नेफ्रोटिक सिंड्रोम थी। इसके अलावा भी अलग-अलग राज्यों में मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर केरल का नाम है। केरल में इस वक्त कोविड-19 के सबसे ज्यादा मरीज हैं। प्रदेश में इस वक्त कोरोना के 69 मामले एक्टिव हैं। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है, जहां 44 मामले हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में 34, कर्नाटक में 8, गुजरात में 6 और दिल्ली में करीब 3 मामले सामने आए हैं। हरियाणा, राजस्थान और सिक्किम में भी एक-एक मामले हैं। एशिया में कोरोना के मामले बढ़ने की वजह वायरस का नया वैरिएंट बताया जा है। इस बार संक्रमण के लिए ओमिक्रॉन के नए वैरिएंट जेएन 1 और उसके सब-वैरिएंट्स एलएफ7 और एनबी1.8 को जिम्मेदार माना जा रहा है। वैसे अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि ये नए वैरिएंट पहले से ज्यादा खतरनाक या तेजी से फैलने वाले हैं। इसके बावजूद सरकार ने स्वास्थ्य अमले को सक्रिय कर दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार अलर्ट मोड पर है। डर है कि यह लहर कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों पर अपना असर दिखा सकती है। इसके चलते देशभर में सुरक्षा के उपाए किए जा रहे हैं। सरकार तो अपने स्तर पर हर संभव प्रयास कर रही है। हमें और आपको भी कोरोना के नए वायरस को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। जैसे हमने पहले कोरोना को हराया है, इस बार फिर उसे हराना है। इसके लिए सावधानियां बरतना बहुत जरूरी है। अगर आपको सूखी खांसी, नाक बहना या बंद होने, सिरदर्द, गले में खराश, बुखार और थकावट होने, स्वाद या गंध का महसूस न होने के साथ पाचन की दिक्कत हो रही है तो तुरंत खुद को दूसरों से अलग कर लें। घर से बाहर न निकलें। तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में न जाएं। बार-बार हाथ धोते रहें और हाथ मिलाने से पहरेज करें। बस ऐसे ही कुछ उपायों से हम कोरोना को सहजता से पराजित कर सकते हैं। डरें नहीं, सतर्क रहें।

आतंक विरोधी दिवस

अखिलेश आर्येन्दु

आतंकवाद को नेस्तनाबूद करना जरूरी

चार दशकों से भारत में कई खूंखार आतंकवादी संगठन सक्रिय हुए हैं। 11 राज्यों में दशकों से वामपंथी नक्सलवाद हिंसक गतिविधियां चलाता रहा है जिसमें हजारों लोग और पुलिस बल (सेना के जवान भी) इसके शिकार हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों की घुसपैठ पूरी तरह खत्म नहीं हुई। दुनिया में आतंकवाद जिस तेजी से बढ़ा है, ऐसे में भारत के सामने आतंकवाद खत्म करने की बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को दुनिया के उन सभी देशों को स्वीकार करने की जरूरत है जो आतंकवाद के खतरे से कई तरह से पीड़ित हैं। देखना यह होगा कि भारत के सामने आतंकवाद की आई चुनौती में दुनिया के कौन-कौन से देश खुलकर साथ देते हैं।

दुनिया में सबसे विकट, गंभीर और बर्बरता का पर्याय आतंकवाद वर्षों से मानवता का विध्वंसक बना हुआ है। इससे महज जान-माल का खतरा ही नहीं पैदा हुआ है बल्कि इंसानियत की हत्या आतंकवाद के जरिए हो रही है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इससे अत्यंत गम्भीर समस्याएं पैदा हुई हैं। अमेरिका, अफ्रीका, रूस, फ्रांस, जर्मन, जापान जैसे विकसित देश इसकी बर्बर हिंसक गतिविधियों से पीड़ित तो हैं ही, एशिया के तकरीबन सभी मुल्क जिसमें भारत सबसे ज्यादा आंतरिक और विदेशी (बाह्य) दोनों से गम्भीर रूप से पीड़ित है। भारत में आतंकवाद के कई कारण और रूप हैं, जिसमें राजनीतिक कारण सबसे अहम है, जिसमें अलगाववादी आंदोलन, जातीय संघर्ष, सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और पड़ोसी देश द्वारा सीमा से आतंकवादियों की घुसपैठ कराकर आतंकवाद फैलाना शामिल है। धर्म या मजहब के नाम पर भी कट्टरपंथी सोच और हिंसा भी आतंकवाद का महत्वपूर्ण कारण है। वैचारिक मतभेद, हिंसा द्वारा विचारधारा को फैलाने के हथियार के रूप में इसका इस्तेमाल आम है। सामाजिक-आर्थिक असमानता भी आतंकवाद की एक वजह रही है जैसे वामपंथी नक्सलवाद का जन्म, जो बाद में हथियारबंद तथाकथित आंदोलन बन गया।

पिछले चार दशकों से भारत में कई खूंखार आतंकवादी संगठन सक्रिय हुए हैं। ग्यारह राज्यों में दशकों से वामपंथी नक्सलवाद हिंसक गतिविधियां चलाता रहा है जिसमें हजारों लोग और पुलिस बल (सेना के जवान भी) इसके शिकार हुए हैं। सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देने वाले और धर्म व मजहब के नाम पर हिंसा करने वाले, अपनी बात जबरन मनवाने वाले संगठन भारत में अराजकता फैलाने का काम करते रहे हैं। कुछ राज्यों में आतंकवाद की वजह से उद्योग, पर्यटन और दूसरे तमाम क्षेत्रों में रोजगार में कमी आई है। इससे शासन और सरकार की स्थिरता पर गहरा असर रहा है। साथ में, देशभर में अराकता का माहौल पैदा करने की इनकी कोशिश जगजाहिर है। यह देशों के बीच संघर्ष और तनाव पैदा करने का काम भी करता है। भारत में 2014 के पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल की सीमा से आतंकवादी घुसपैठ करते थे और बहुत बड़े पैमाने पर भारत में तकरीबन सभी राज्यों में बम विस्फोट और हिंसा की बर्बर घटनाएं आए दिन होती थीं, जिससे बड़ी तादाद में जान-माल का नुकसान होता था। कहना न होगा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद कानून व्यवस्था हर तरह से चाक-चौबंद की गई और आतंकवादी घटनाओं पर कुछ ही महीने में काबू पा लिया गया। लेकिन जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों की घुसपैठ पूरी तरह खत्म नहीं हुई। इसी दौरान धारा 370 खत्म की गई और जम्मू-कश्मीर को पुनर्गठित कर तीन राज्यों कश्मीर, जम्मू और लद्दाख में विभाजित कर इन्हें केंद्र शासित घोषित कर दिया गया। केंद्र सरकार के पिछले दस वर्ष आजादी के इतिहास में कई विकट समस्याओं के समाधान वाले रहे हैं। यह सरकार की नीतियों में अमूलचूल बदलाव से संभव हुआ। विदेश नीति के मामले निर्गुट नीति की जगह 'सर्वगुट' नीति को अपनाया गया। गौरतलब है कि 1947 से 2013 तक भारत की विदेश नीति निर्गुट, समझौतावादी और हिंसा

का जवाब अहिंसा से देने की रही है। यही वजह है कि पिछले चार दशकों से अधिक समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और घुसपैठ की घटनाएं भारत में लगातार जारी रहीं। पानी की तरह पैसा बहाकर भी धारा 370 के लागू रहने की वजह से केंद्र का यहां सीमित हस्तक्षेप था, जिसकी वजह से आतंकवाद लगातार फलता-फूलता रहा। जाहिर तौर पर पिछले कई दशकों से आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। यूं तो भारत में आतंकवादी गतिविधियां 50 के दशक में ही बड़े पैमाने पर चालू हो गई थीं। विश्वभर में वामपंथ के उत्थान के बाद आतंकवादी गतिविधियां दुनिया के तमाम मुल्कों में देखी जाने लगी थीं, जिसके जद में यूरोप, अमेरिका, जापान, जर्मनी और भारत जैसे अनेक देश आए, लेकिन भारत में आतंकवाद सबसे ज्यादा गंभीर, मुखर और बर्बर गतिविधियों का एक विस्तृत स्वरूप में जारी रहा है। इसलिए 1967 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम बनाया गया। इस अधिनियम को संशोधित किया गया है जिसमें संघीय सरकार को संगठनों और व्यक्तियों को 'आतंकवादी के रूप में नामित करने की शक्ति मिली है। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (एनएसए)। यह अधिनियम अत्यंत कारगर है जिसमें अधिनियम अधिकारियों को आतंकवादियों से ताल्लुक रखने वाले गुटों के सदस्यों को बिना किसी प्रदर्शन के घोषित अवधि के लिए हिरासत में रखने की अनुमति देता है। फिर पोटा कानून बनाया गया लेकिन 2002 में यह अधिनियम निरस्त कर दिया गया।

आतंकवादी और विघटनकारी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम (टाडा) 1985 में लागू किया गया, जिसे 1995 में निरस्त कर दिया गया था। इसके अलावा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों का इस्तेमाल किया जाता है। आंतकवादी गतिविधियों को रोकने में आर्म्स एक्ट लागू है जो आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले हथियारों के संबंध में लागू किया गया है। इसी क्रम में विस्फोटक अधिनियम कानून भी लागू है जो विस्फोटक चीजों के इस्तेमाल से संबंधित मामलों से ताल्लुक रखता है। आज दुनिया में आतंकवाद एक ऐसी बर्बर मानवता विरोधी और सहिष्णुता विरोधी कवायद बन गया है जिससे डर, दहशत और खौफ पैदा होना आम बात है। भारत में नक्सलवाद भी आतंकवाद जैसा रहा, लेकिन अब नक्सलवाद की जड़ें तकरीबन सूख गई हैं जिससे आतंरिक आतंकवादी कवायदों पर लगाम लगी है। पूर्वोत्तर भारत में तमाम राजनीतिक, जातीय व सामाजिक संगठनों के जरिए भी हिंसक गतिविधियां लगातार चलती आई हैं। ये आतंकवादी गतिविधियां जैसी ही हैं। भारत में आतंकवाद का सबसे खतरनाक खेल पाकिस्तान पोषित आतंकवाद की वजह से है। एक पड़ोसी देश द्वारा आतंक, हिंसा और खौफ पैदा करना अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक भी अपराध है। यह अपराध पाकिस्तान बार-बार कभी लुके-छिपे तो कभी खुलेआम करता रहता है। लेकिन अब भारत की विदेश नीति बदल चुकी है-'पहले छेड़ेंगे नहीं, छेड़ा तो छोड़ेंगे नहीं, के तहत पड़ोसी मुल्क को उसकी करतूतों की सजा देने के लिए पिछले दिनों सिन्दूर ऑपरेशन कर पाकिस्तान स्थित 9 आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया गया। भारत का दृढ़संकल्प है कि आतंकवाद को जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। दुनिया में आतंकवाद जिस तेजी से बढ़ा है, ऐसे में भारत के सामने आतंकवाद खत्म करने की बहुत बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को दुनिया के उन सभी देशों को स्वीकार करने की जरूरत है जो आतंकवाद के खतरे से कई तरह से पीड़ित हैं। देखना यह होगा कि भारत के सामने आतंकवाद की आई चुनौती में दुनिया के कौन-कौन से देश खुलकर साथ देते हैं।

सामरिक चुनौती

डॉ. एल.एस. यादव

रक्षा बजट को बढ़ाना होगा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा तैयारियां बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। भारत का रक्षा तंत्र भी इसको समझ चुका है, इसीलिए रक्षा मंत्रालय ने सरकार को 50000 करोड़ रुपये का रक्षा फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। उम्मीद की जा रही है कि भारत की केन्द्र सरकार रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी कर सकती है क्योंकि यह समय की जरूरत भी है। यदि यह प्रस्ताव मान लिया जाता है तो भारत का कुल रक्षा बजट सात लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि एक फरवरी 2025 को पेश किए गए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रक्षा क्षेत्र के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए थे। नई बढ़ोत्तरी होने से यह धनराशि 7.31 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। निश्चित है कि इस राशि को खर्च करके रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान की जा सकेगी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित 6.81 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 2024-25 में सशस्त्र बलों के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे। इस हिसाब से रक्षा बजट में इस साल के लिए 9.5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई थी क्योंकि भारत के दो रक्षा मोर्चों पर चुनौतियां ज्यादा बढ़ गई थीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह अनुभव हुआ कि रक्षा चुनौतियां और ज्यादा बढ़ गई हैं जिनसे निपटने के लिए अब और अधिक रक्षा संसाधनों की जरुरत है। इसीलिए रक्षा बजट में 50000 करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी किया जाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। यदि इसे मान लिया जाता है तो इससे अत्याधुनिक हथियारों की खरीद व नवीनतम हथियारों का उत्पादन देश में भी बढ़ाया जा सकेगा। ऐसा होने पर भारत दोनों मोर्चों पर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो सकेगा। पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों और उनके सरगनाओं पर कड़ा प्रहार करके पाक अधिकृत कश्मीर के तकरीबन नौ आतंकवादी ठिकाने ध्वस्त कर दिए। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर जवाबी हमले प्रारम्भ कर दिए तो भारत ने इनका भी मुहंतोड़ जवाब देते हुए उनके कई सामरिक अड्डे ध्वस्त कर दिए। इस तरह भारत की सैन्य ताकत को संसार के सभी देशों ने देखा और जाना कि भारत से टकराव का अंजाम क्या होगा। यह बात सभी को मालूम है कि भारत की सामरिक बढ़त उसकी मजबूत सामरिक तैयारी के कारण प्राप्त हुई। विदित हो कि बीते कुछ वर्षों में भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान करने के लिए स्वदेशी रक्षा उत्पादन एवं आवश्यक आधुनिकतम रक्षा हथियारों की खरीद करके अपने सैन्य ढांचे को मजबूती प्रदान की है। भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान से निपटने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस के एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम, बराक-8 मिसाइल सिस्टम, स्वदेश निर्मित आकाशतीर मिसाइल सिस्टम को तैनात कर रखा था। इसके अलावा पिचैरा और लो लेवल एयर डिफेंस गन की तैनाती ने बेहतरीन ढंग से मदद की। इस तरह भारत के मल्टी लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के ड्रोन व मिसाइल सहित सभी तरह के आक्रमणों को बेअसर कर दिया। चीन ने पाकिस्तान को जो घातक हथियार दिए थे, पाकिस्तान ने उनका भारत के विरुद्ध प्रयोग किया लेकिन वे भी पाकिस्तान के काम नहीं आए। गौरतलब है कि चीन ने पाकिस्तान को जे-10 सी लड़ाकू विमान व उसमें लगी पीएल-15 किस्म की दी थीं। इनके अलावा परमाणु बम दागने वाली एसएच-15 तोप व घातक किलर ड्रोन भी दिए थे। इन सबका पाकिस्तान ने जमकर प्रयोग करते हुए भारत की जमीन को चीनी हथियारों का परीक्षण केन्द्र बनाया लेकिन सब असफल रहा। इसलिए अब संभावना यही बन रही है कि भविष्य में जब कभी भारत का चीन या पाकिस्तान से टकराव होगा तो ये दोनों देश एक साथ मिलकर भारत के सामने होंगे क्योंकि चीन ने पाकिस्तान को नई सैन्य मदद देने की योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान की चीन से अत्याधुनिक एवं पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान जे-35 खरीदने की योजना है। चीन पाकिस्तान की नौसेना को मजबूत करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक वाली हंगोर श्रेणी की पनडुब्बी और हाइपरसोनिक मिसाइलें भी देना चाह रहा है। निश्चित रूप से इस सहयोग का मकसद भारत के मुकाबले पाकिस्तान की ताकत को मजबूत करना है। ऐसे में भारत का रक्षा बजट बढ़ाया जाना समय की जरूरत है। इसके तहत रक्षा तैयारियों को नई गति देते हुए सरकार ने ब्रह्मोस, आकाश सहित अन्य स्वदेशी मिसाइलों व दूसरी प्रमुख उन्नत किस्म की स्वदेशी हथियार प्रणालियों में तेजी लाने को लिए संबंधित रक्षा कंपनियों को निर्देश दे दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से यह स्पष्ट हो गया है कि आधुनिक युद्धों में इन्हीं हथियारों की प्रमुख भूमिका होगी। ऐसे में बढ़ाया जाने वाला रक्षा बजट इन्हीं क्षेत्रों में खर्च होने की संभावना होगी।

(लेखक सैन्य विज्ञान विषय के प्राध्यापक रहे हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चेतना का मूल आधार है अस्तित्व का ज्ञान

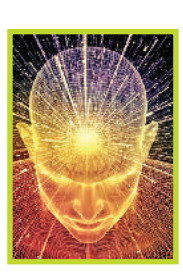

संकलित

दर्शन

जब हम दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं, तो हमें यह ज्ञान होता है कि संपूर्ण विश्व एक है। आध्यात्मिक, भौतिक, मानसिक तथा प्राण-जगत भिन्न-भिन्न नहीं हैं। समस्त विश्व, यहां से वहां तक, एक है। बात इतनी ही है कि अलग-अलग दृष्टिकोण से देखे जाने के कारण वह विभिन्न प्रतीत होता है। 'मैं शरीर हूं, इस भावना से जब तुम अपनी ओर देखते हो तो यह भूल जाते हो कि मैं मन भी हूं'। और, जब तुम अपने को मनोरूप में देखने लगते हो, तो तुम्हें अपने शरीरत्व की विस्मृति हो जाती है। विद्यमान वस्तु केवल एक है और वह तुम हो। वह तुम्हें जड़ या शरीर के रूप में अथवा मन या आत्मा के रूप में दिख सकती है। जन्म, जीवन, मरण ये सब भ्रम मात्र हैं। न कोई कभी मरता है और ना कोई कभी जन्म लेता है। होता इतना ही है कि मनुष्य एक स्थिति से दूसरी स्थिति में चला जाता है। लोगों को मृत्यु से इतना भय पाते देख मुझे बहुत दुख होता है। वे मानो जीवन को पकड़ कर रखने की सतत चेष्टा करते रहते हैं। वे कहते हैं कि मृत्यु के बाद हमें जीवन दो। हमें मरणोत्तर जीवन दो। यदि कोई आए और उन्हें बताए कि मृत्यु के बाद भी वे विद्यमान रखेंगे, तो वे कितने आनंदित होते हैं? वस्तुतः मनुष्य के अमरत्व में मैं अविश्वास ही किस तरह कर सकता हूं? मैं मृत हूं, यह कल्पना ही मैं किस प्रकार कर सकता हूं? तुम यदि अपने को मृत सोचने की कोशिश करो तो देखोगे कि तुम अपने मृत शरीर को देखने के लिए वर्तमान हो ही। जीवन का अस्तित्व एक ऐसा आश्चर्यमय सत्य है कि तुम एक क्षण भी उसका विस्मरण नहीं कर सकते, क्योंकि अपने अस्तित्व के बिना यह विस्मरण भी बिल्कुल ही असंभव है।

आइस्क्रीम की एक डिश

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक छोटा सा लड़का एक होटल में गया। कुछ ही देर में वहां वेटर आया और उसने पूछा आपको क्या चाहिए सर? छोटे बच्चे ने उल्टा पुछा! वैनिला आइसक्रीम कितने रुपए का है ? उस वेटर वाले ने जवाब दिया 50 रुपए का । यह सुन कर उस छोटे लड़के ने अपने जेब में हाँथ डाल कर कुछ निकाला और हिसाब किया । उसने दूबारा पूछा कि संतरा फ्लेवर आइसक्रीम कितने का है। वेटर ने दूबारा जवाब दिया और कहा 35 रुपए का सर। यह सुनने के बाद उस लड़के ने कहा! मेरे लिए एक संतरा फ्लेवर आइसक्रीम ले आईये। कुछ ही देर में वेटर आइसक्रीम की प्लेट और साथ में बिल लेकर आया और उस बच्चे के टेबल पर रखकर चले गया। उस लड़के ने उस आइसक्रीम को खाने के बाद पैसे दिए और वह चले गया। जब वह वेटर वापस आया तो वह दंग रहे गया यह देखकर कि उस लड़के नें खाए हुए आइसक्रीम प्लेट के बगल में आइस-क्रीम के 35 रुपए के साथ उसके लिए 15 रुपए का टिप छोड़ गया था। उस लड़के पास 50 रुपए होने पर भी उसने उस वेटर के टिप के बारे में पहले सोचा न की अपने आइसक्रीम के बारे में । उसी प्रकार हमें अपने फायदे के बारे में सोचने से पहले दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए । हमारा ध्यान कभी दूसरो के भलाई की और नहीं जाता। हम पहले अपनी भलाई में ही लगे रहते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

मलेरिया भगाने के लिए जनजागरण जरूरी

मलेरिया एक प्राचीन लेकिन अब भी प्रासंगिक बीमारी है, जिसने सदियों से मानव सभ्यता को प्रभावित किया है। यह मुख्य रूप से एनोफिलीज नामक मादा मच्छर के काटने से फैलता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होती है। जब यह परजीवी मानव शरीर में प्रवेश करता है तो वह यकृत और रक्त कोशिकाओं में पहुंच कर वहां अपनी संख्या बढ़ाता है और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को क्षतिग्रस्त करता है। लोगों को मलेरिया के खतरों और उससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल पर विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष मलेरिया दिवस की थीम 'मलेरिया का अंत हमारे साथ : पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जागृति' रखी गई थी, जिसका निहितार्थ यह है कि मलेरिया को समाप्त करने की जिम्मेदारी अब हम सबकी है। *– प्रतीक पटले, भाटापारा*

ट्रेंड

वैज्ञानिक समुदाय को क्षति

पद्म विभूषण डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन का निधन भारत के वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के पीछे एक दूरदर्शी व्यक्ति, उनके नेतृत्व ने हमारे परमाणु भविष्य को आकार दिया।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

बलूचिस्तान सबसे उपेक्षित

पाकिस्तान का सबसे बड़ा और सबसे अधिक संसाधन संपन्न प्रांत होने के बावजूद, बलूचिस्तान इसका सबसे उपेक्षित और अविकसित क्षेत्र बना हुआ है। एक विरोधाभास जो दशकों के व्यवस्थित आर्थिक और राजनीतिक शोषण को दर्शाता है।

-हिमंत विश्व शर्मा, सीएम, असम

स्कूली शिक्षा पर ध्यान दें

सरकारी स्कूलों के हालात यूपी व बिहार में यह अति-दयनीय होने से बहुजन गरीब परिवारों का बहुप्रतीक्षित विकास बाधित व इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय। ऐसे में स्कूली शिक्षा पर ध्यान देकर इन्हें बंद करने के बजाय प्रोत्साहन जरूरी।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

नशा-विरोधी मुहिम

टीएसी की बैठक में पहला एजेंडा आदिवासी बहुल गांवों में शराब की दुकानें एवं बार खोलने का लाइसेंस देने का है। अपने सार्वजानिक जीवन की शुरुआत, मैंने नशा-विरोधी मुहिम से की थी और झारखंड की युवा पीढ़ी को नशे के दलदल में धकेलने की इस कोशिश का पुरजोर विरोध होगा।

-चंपई सोरेन, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

लैंटर्नफ्लाई के प्रसार को रोकने में मददगार बने प्रशिक्षित कुत्ते

पत्तों पर रहकर पौधों को नुकसान पहुंचाने वाला चित्तीदार लैंटर्नफ्लाई' वह कीट है जिसे एक दशक पहले पहली बार अमेरिका में देखा गया था। हालांकि, अब यह ईस्ट कोस्ट और मिडवेस्ट में फैल चुका है।

शोधकर्ता इसके प्रसार को धीमा करने के लिए एक नया हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं। यह हथियार कुछ और नहीं बल्कि कुत्ते हैं। विशेष रूप से प्रशिक्षित कुत्ते इस कीट के अंडों को फूटने से पहले ही सूंघ सकते हैं। एक अंडे से 30 से 50 चित्तीदार लैंटर्नफ्लाई उत्पन्न हो सकती हैं।

क्लीवलैंड मेट्रोपार्क्स प्रबंधक कोनी हॉसमैन ने बताया कि अब तक कुत्तों ने 4,000 से अधिक अंडों को ढूंढा है, यानि इनसे पैदा होने वाले 2,00,000 कीटों को खत्म करने में मदद मिली है। हॉसमैन ने बताया कि अप्रैल में कुछ ही घंटों में कुत्तों ने क्लीवलैंड मेट्रोपार्क्स चिड़ियाघर में लगभग 1,100 अंडे के ढेर खोज निकाले। उन्होंने कहा, 'कोई भी मामूली कुत्ता इन अंडों को नहीं ढूंढ सकता है। ऐसे विशेष कुत्तों की सूंघने की क्षमता अद्भुत होती है और उन्हें अपनी सेवा साबित करने के लिए कई परीक्षा पास करनी पड़ती है।' इन कुत्तों को वर्जीनिया टेक विश्वविद्यालय के एक समूह के नेतृत्व में एक शोध परियोजना के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया था।

ऑफ बीट

बोरियत खराब मानी जाती है विज्ञान लाभकारी मानता है

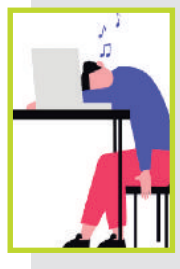

हम सभी ने उदासी और उबाऊ स्थितियों का सामना किया है जिसमें रुचियों को लेकर उदासीनता की स्थिति होती है और मानसिक प्रोत्साहन कम हो जाता है। अंतत: जब हमारा ध्यान भटक जाता है तो हम विरक्त से हो जाते हैं। समय धीरे-धीरे बीतता हुआ प्रतीत होता है, और हम बेचैनी भी महसूस करने लगते हैं। चाहे वह कोई ऐसी फिल्म देखना हो जो निराश करती हो, कोई बच्चा शिकायत करता हो कि "करने के लिए कुछ नहीं है", या कोई वयस्क बैठक के दौरान ध्यान न दे रहा हो। कुल मिलाकर बोरियत एक सार्वभौमिक अनुभव है। सामान्यत: उबाऊपन या बोरियत को किसी वर्तमान गतिविधि में ध्यान या रुचि बनाए रखने में कठिनाई के रूप में परिभाषित किया जाता है और इसे आमतौर पर एक नकारात्मक स्थिति के रूप में देखा जाता है, जिसे हमें अनुभव करने से बचने या रोकने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन क्या होगा अगर बोरियत को सकारात्मक स्थिति के रूप में देखने का कोई और तरीका हो? क्या बोरियत को अपनाना सीखना फायदेमंद हो सकता है? मस्तिष्क का तंत्र परस्पर जुड़े क्षेत्रों की एक प्रणाली है जो विभिन्न कार्यों का समर्थन करने के लिए एक साथ काम करते हैं। हम इसकी तुलना एक ऐसे शहर से कर सकते हैं जहां उपनगर (मस्तिष्क क्षेत्र) सड़कों (तंत्रिका मार्ग) से जुड़े हुए हैं।

प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

मरुधर विशेष

कोटकासिम। मंगलवार को जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा उपखंड के बीसीएमओ कार्यालय में समस्त गतिविधियों को लेकर समीक्षा की। जिसमें विभिन्न सूचकांक में जिले में ब्लॉक की प्रगति बहुत अच्छी रही। जिसके लिए समस्त कार्य की प्रशंसा की तथा तीन महत्वपूर्ण लक्ष्यों 12 सप्ताह पूर्व एएनसी पंजीकरण, प्रसव पूर्व चार जांच तथा पूर्ण टीकाकरण पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही डॉ. हेमंत डागर जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटकासिम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान न्यू बोर्न केयर यूनिट व लेबर रुम का निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस अवसर पर खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर गोविंद सिंह, सीएचसी प्रभारी डॉक्टर पंकज सैनी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ कविता चौधरी, दीपक सुंठवाल नर्सिंग अधिकारी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। निरीक्षण में एनबीएसयू स्टाफ से कौशल की जानकारी भी ली गई। एनबीएसयू में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पंकज सैनी के आने के बाद में प्रगति आई। जिसके लिए जिला प्रजनन एवं स्वास्थ्य अधिकारी महोदय द्वारा प्रशंसा की गई। निरीक्षण में पाई गई कमियों में सुधार करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके साथ ही एनबीएसयू का एक अन्य गेट लगाने व एनबीएसयू के बाहर वॉश बेसिन लगाने के लिए निर्देशित किया। जिसके लिए बीसीएमओ द्वारा 10 दिन में पूर्ण करने के लिए आश्वासन दिया गया।

डीग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है जिला प्रशासन- डीएम

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, - जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने कहा है कि राज्य सरकार के मंशा के अनुरूप जिले में सर्वांगीण विकास के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा संवेदनशीलता के साथ क्षेत्र में उन्नति के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और आम लोगों को समुचित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। वे मंगलवार को पंचायत समिति सभागार में बजट घोषणा 2024-25 एवं 2025-26, सड़क सुरक्षा एवं पीएम सूर्य घर योजना योजना के तहत अभी तक किए गए कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

बस स्टैंड निर्माण की गुणवत्ता जांच रिपोर्ट जिला कलेक्टर कार्यालय में प्रेषित करेंगे अधिकारी

जिला कलक्टर ने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों के संबंध में विभागवार लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं सीएम जनसुनवाई प्रकरण पर कोई भी मामला अधिक समय तक लंबित ना रहें। उन्होंने विशेष रूप से प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की पिछले वर्ष की बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक अधिकारी गत वर्ष तथा आगामी घोषणाओ की गंभीरता समझते हुए पूर्ण जिम्मेदारी से कार्य करें। उन्होंने अधिशाषी अभियंता राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड डीग को निर्देशित किया कि वह बस स्टैंड कामां एवं बस स्टैंड डीग में चल रहे कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। इसके लिए उन्होंने विभिन्न गुणवत्ता जांच रिपोर्ट जैसे कंप्रेसिव स्ट्रैंथ आदि जिला कलेक्टर कार्यालय में प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया। बस स्टैंड कामां के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 150 लाख रुपए की है। वही 127.96 लाख रुपए के कार्यादेश राशि जारी किए गए है। कामां में 24 फरवरी 2025 को कार्य प्रारंभ कर दिया गया था और कार्य पूर्ण होने की संभावित तिथि विभाग द्वारा 23 अक्टूबर 2025 तक बताई गई है। कार्य स्थल पर वर्तमान में भवन निर्माण कार्य एवं चारदीवारी का कार्य पिलिन्थ लेवल पर प्रगतिरत है। डीग बस स्टैंड के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 250 लाख रुपए की है वहीं 198.36 लाख रुपए के कार्यादेश जारी किया जा चुके हैं। 14 मार्च 2025 को कार्य प्रारंभ किया गया और कार्य पूर्ण होने की संभावित तिथि 13 जनवरी 2026 है। डीग बस स्टैंड के कार्यस्थल पर फिलहाल भवन निर्माण कार्य छत लेवल पर प्रगतिरत है।

पीएम सूर्य घर योजना के लाभार्थी को बिना किसी परेशानी के मिले लोन - डीएम

श्री कौशल ने एनएफएसए, पीएम किसान सम्मान निधि, फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, डीआईएमएस पोर्टल सहित अन्य विषयों पर चर्चा कर सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य सरकार के योजनाओं से अधिकाधिक परिवारों को लाभान्वित करने की बात कही। बैठक में सड़क हादसो की समीक्षा करते हुए पुलिस-प्रशासन, परिवहन, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा पीडब्ल्यूडी को आपसी समन्वय से काम कर सड़क हादसों में कमी लाने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए गए। पीएम सूर्य घर योजना में पिछली प्रगति के विरुद्ध 50% से भी अधिक लोगों ने योजना का लाभ लिया। अधिशाषी अभियंता जेवीवीएनएल ने बताया कि 16 प्रकरणों में लोन की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच अस्तावन में लोन नहीं मिलने के दो प्रकरण सामने आए जिसका कलेक्टर ने संज्ञान लेते हुए एलडीएम को निर्देशित किया कि वह एक पत्र जारी कर सभी बैंक को निर्देशित करें की पीएम सूर्य घर योजना के लाभार्थी को बिना किसी परेशानी के सुगमता के साथ लोन उपलब्ध हो सके। उन्होंने बिजली की चोरी को रोकने के लिए भी मुस्तैदी से क्षेत्र में निगरानी रखने की बात कही। उन्होंने 3 महीने से पुराने बिजली कनेक्शन प्रकरण एवं एक माह पुराने कमर्शियल बिजली कनेक्शन की सूची डीएम कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पत्रकारों का रोकडिया हनुमानजी मे सम्मान

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा
प्रतापगढ़: यहां श्रीरोकड़िया हनुमानजी मंदिर समिति द्वारा श्रीमद्भागवत कथा के विराम दिवस पर ध्यान योगी महर्षि उत्तम स्वामी जी महाराज के सानिध्य में राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के पत्रकारों को ऊपरना ओढाकर सम्मानित किया गया समारोह में कुक्षी के संत राम बाबा, संत रामानन्द महाराज गुरूभाई सलकनपुर नर्मदापुरम, एम. पी. के पूर्व मंत्री तपन भौमिक, सनातन धर्म उत्सव समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश ओझा ,भँवरलाल व्यास आदि उपस्थित थे मन्दिर समिति के पदाधिकारी प्रकाश चंद्र व्यास ने सभी पत्रकार बंधुओं की सनातन धर्म के लिए निस्वार्थ सेवाओं को सराहनीय कार्य बताया और आभार प्रदर्शन किया द्य जिनमे टी. वी .चेनल , प्रिन्ट मीडिया इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकारों का सम्मान हुआ ये जानकारी देते हुए गुरू भक्त मंडल के अध्यक्ष रविसोनी ने बताया कि--पत्रकारों में वरिष्ठ पत्रकार एवं गुरू भक्त मंडल के मीडिया प्रभारी चन्द्रशेखर मेहता जो पिछले 16 वर्षों से सेवा कर रहे है , चन्द्रशेखर मेहता.जो बी.बी.सी. न्यूज राजस्थान और पालीवाल वाणी- इंदौर के संवाददाता भी है सभी समाचार- पत्र पत्रिकाओ में प्रतिदिन 60 समाचार-पत्र पत्र पत्रिका में समाचार प्रेषित कर प्रकाशन करवाया गया । इनके कार्य को सराहनीय बताते हुए गुरूदेव ने आशीर्वाद प्रदान किया द्य इनके साथ संजय जैन कांठल 24 तेजकरण राठौड़ राजस्थान पत्रिका से देवी शंकर सुथार राकेश वर्मा हितेश उपाध्याय दै-भास्कर से विवेक उपाध्याय अनिल टाक दिलीप टांक पंकज जैन, भागीरथ शर्मा दें। नवज्योति से राकेश सोनीअर्जन सर्जन सम्पादक श्रीमती शारदा मेहता ,दशरथ लबाना,जय काठल से मंसूर खान,कांठल की आवाज- से मनोज राठौड, हिन्दुस्तान से रूबरू तारुसिंह यादव, जी. एप. से हरिश जटिया, चन्चल सनाढ्?य, दिलीपसेन,महेशराव आदि के साथ एम .पी.में से वरिष्ठ पत्रकार- प्रहलाद शर्मा - सम्पादक-दैनिक अनोखातीर -भोपाल हरदा जबलपुर सुभाष मेहता हेमन्त पाठक बी. बी. सी. न्यूज राजस्थान बांसवाड़ा पत्रिका,मरुधरा मरुधर विशेष अभियान आजतक से अरुण जोशी कुशलगढ , नरेश सोनी चित्तौड़गढ़ , दै, न्यूज ज्योति- जयपुर- दै. बी. एन. टाइम्स ,प्रयागराज, नारायण सेन - राजस्थान धड़?कन , भैरुसिंह राठौड वक्त दर्शन - प्रातः संकलन जयपुर ,रामेश्वर नागदा नीमच ,संजय शर्मा राष्ट्र समर्पण - नीमच, नरेश शर्मा जयसमंद ,विनोद गर्ग - सलूंबर ,देवीलाल बुनकर- सलूंबर , उदयपुर से लोकेश मेनारिया, मुकेश मेनारिया,नवरत्न खोखावत,प्रियंक भट्ट, अर्जेंट टाइम्स डूंगरपुर जलज जानी बांसवाड़ा आदि द्वारा सनातन धर्म के समाचारों को प्रकाशित कर सेवा के लिए सम्मानित किया गया द्य धन्यवाद देकर आभार प्रदर्शन किया गया

पानेरी को दिल्ली में मिला विज़नरी इंडिया अवार्ड

प्रसार भारती ऑडिटोरियम में हुआ कार्यक्रम

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा
बड़ोदिया बांसवाड़ा जिले के प्रसिद्ध लेखक, समाजसेवी एवं वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक विनोद पानेरी को दिल्ली के आकाशवाणी भवन के ऑडिटोरियम में रविवार को आयोजित राष्ट्रीय समारोह में विज़नरी इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पानेरी को यह उत्कृष्ट सेवा सम्मान प्रसिद्ध अभिनेत्री पूनम ढिल्लों के हाथों प्रदान किया गया। भारत सरकार के सूचना व प्रसारण मंत्रालय की प्रसार भारती के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 73 विशिष्ट जनों को यह सम्मान प्रदान किया गया। इनमें पद्मश्री डॉ बी के जैन, मलय पीट एवं ध्यानयोगी ओमदास महाराज शामिल रहे। कार्यक्रम में पानेरी की मीडिया बाईट लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विविध चैनलों से प्रसारित भी किया गया। आयोजन समिति के प्रमुख डॉ तिलक तंवर ने बताया कि पानेरी द्वारा दक्षिणी राजस्थान में सांस्कृतिक लेखन, महिला उत्थान कार्यक्रमों में सहभागिता, वैदिक विधाओं के संरक्षण, यज्ञ की महत्ता और खेलों के विकास के लिए किये गए कार्य चयन के प्रमुख आधार रहे। उनके द्वारा विविध पुस्तकों का सम्पादन व प्रकाशन के पारिणामिक कार्य भी शामिल हैं। कार्यक्रम प्रायोजक गोल्डन स्पेरो नई दिल्ली की निदेशक आरती मल्होत्रा ने बताया कि पानेरी इस पुरस्कार के लिए उदयपुर सम्भाग से एक मात्र चयनित प्रतिभा हैं। पानेरी के सम्मान पर पत्रकार अरुण जोशी कुशलगढ़ ओर विप्र फाउंडेशन प्रदेश उपाध्यक्ष तिलोत्तमा पंड्या शिक्षा विभाग, शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ, लक्ष्मीनारायण सेवा संस्थान, विप्र फाउंडेशन, विश्व मानवाधिकार एसोसिएशन, माँ त्रिपुरा साहित्य परिषद, परशुराम सेवा संस्थान सहित विविध संगठनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

निशुल्क सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ा : प्रतापगढ़में ब्रह्मज्योति संस्थान के तत्वावधान में श्री ब्रह्मज्योति वैदिक गुरुकुल का 13वा वार्षिक महोत्सव एवं सामूहिक निशुल्क यज्ञोपवीत संस्कार दिनांक 8 जून 2025 को दीपेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित किया जाएगा जानकारी देते हुए श्री ब्रह्मज्योति संस्थान के प्रवक्ता दीपेश आमेटा ने बताया कि उक्त आयोजन में प्रातः 7 से गणपति पूजन एवं ग्रहशांति तत्पश्चात 13वा वार्षिकोत्सव व निशुल्क सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार का आयोजन किया जाएगा द्य अतः जो भी ब्रह्म बंधु निशुल्क यज्ञोपवित संस्कार में भाग लेना चाहते हैं , वह श्री दीपेश्वर महादेव मंदिर परिसर स्थित श्री ब्रह्म ज्योति वैदिक गुरुकुल में संपर्क करें द्य जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि ये आयोजन पिछले 13 वर्षों से निरंतर चल रहा है द्य जिसमें वैदिक शिक्षा बच्चों को निःशुल्क दी जाती है द्य सामुहिक यज्ञोपवित संस्कार भी करवाया जाता है द्यजो भी बटुक इस भव्य आयोजन में उपनयन संस्कार में भाग लेना चाहता है वह दिनाँक 1 जून तक अपना पंजीयन श्री दीपनाथ महादेव मंदिर परिसर स्थित गुरुकुल कार्यालय में करवा सकता है

एनडीपीएस एक्ट में लम्बे से फरार अवैध मादक पदार्थ सप्लायर्स गिरफ्तार

पुलिस थाना भीनमाल द्वारा "ऑपरेशन धरकरभर" के तहत कार्यवाही

मरुधर विशेष

भीनमाल (सतीश सुन्देशा)। पुलिस महानिरीक्षक विकासकुमार रेंज जोधपुर के द्वारा रेंज में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरणों में वांछित आरोपीयों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे "ऑपरेशन धरकरभर" के तहत कार्यवाही करने के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव जालोर के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरणों में वांछित आरोपीयों की धरपकड़ के तहत पुलिस उप अधीक्षक अन्नराज सिंह राजपुरोहित वृताधिकारी भीनमाल के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में वांछित अवैध मादक पदार्थ सप्लायर्स वांछित अपराधी जोगाराम निवासी नांद की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए एनडीपीएस. एक्ट पुलिस थाना भीनमाल एवं अन्य प्रकरणों में दो साल से फरार चल रहे आरोपी जोगाराम पुत्र पीराराम जाति जाट उम्र 22 साल निवासी नांद पुलिस थाना बाड़मेर ग्रामीण जिला बाड़मेर को डीएसटी टीम बाड़मेर व थाना भीनमाल टीम द्वारा बाड़मेर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी से अनुसंधान व पुछताछ जारी है। अभियुक्त भीनमाल थाना का टॉप-10 का 5 हजार रूपये का ईनामी था। कार्यवाही पुलिस टीम में हैड कांस्टेबल खीयाराम ,कांस्टेबल सुरेश कुमार, सांवलाराम पुलिस थाना भीनमाल एवं अमीन खान सहायक उपनिरीक्षक जिला विशेष टीम बाड़मेर कार्यवाही में शामिल रहे।

एनडीपीएस एक्ट में लम्बे से फरार अवैध मादक पदार्थ सप्लायर्स गिरफ्तार

पुलिस थाना भीनमाल द्वारा "ऑपरेशन धरकरभर" के तहत कार्यवाही

मरुधर विशेष

भीनमाल (सतीश सुन्देशा)। पुलिस महानिरीक्षक विकासकुमार रेंज जोधपुर के द्वारा रेंज में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरणों में वांछित आरोपीयों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे "ऑपरेशन धरकरभर" के तहत कार्यवाही करने के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव जालोर के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरणों में वांछित आरोपीयों की धरपकड़ के तहत पुलिस उप अधीक्षक अन्नराज सिंह राजपुरोहित वृताधिकारी भीनमाल के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में वांछित अवैध मादक पदार्थ सप्लायर्स वांछित अपराधी जोगाराम निवासी नांद की

गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए एनडीपीएस. एक्ट पुलिस थाना भीनमाल एवं अन्य प्रकरणों में दो साल से फरार चल रहे आरोपी जोगाराम पुत्र पीराराम जाति जाट उम्र 22 साल निवासी नांद पुलिस थाना बाड़मेर ग्रामीण जिला बाड़मेर को डीएसटी टीम बाड़मेर व थाना भीनमाल टीम द्वारा बाड़मेर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी से अनुसंधान व पुछताछ जारी है। अभियुक्त भीनमाल थाना का टॉप-10 का 5 हजार रूपये का ईनामी था। कार्यवाही पुलिस टीम में हैड कांस्टेबल खीयाराम ,कांस्टेबल सुरेश कुमार, सांवलाराम पुलिस थाना भीनमाल एवं अमीन खान सहायक उपनिरीक्षक जिला विशेष टीम बाड़मेर कार्यवाही में शामिल रहे।

कस्बे में रोजगार एवं जागरूकता सेमिनार का किया आयोजन

पिटेप डिलीवरी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के तत्वाधान में हुआ रोजगार मेले का आयोजन

मरुधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। कस्बे के चौधरी मैरिज होम के प्रांगण में पिटेप डिलीवरी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के तत्वावधान में मंगलवार को रोजगार के अवसर मुहैया करवाने के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कंपनी के जनरल मैनेजर सनी अरोड़ा व मैनेजर रामवीर शेरवाल ने बताया कि रोजगार सेमिनार में 260 लोगो ने रोजगार मेले में भाग लिया जिनमें से कम्पनी ने 195 लोगो का सलेक्शन किया। वही युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के लिए कम्पनी मैनेजर द्वारा जानकारी दी गई।

कठूमर सीएचसी का एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण

सीएचसी पर साफ सफाई को लेकर की नाराजगी जाहिर

मरुधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी कठूमर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कठूमर का मंगलवार को उपखण्ड अधिकारी श्याम सुंदर चेतीवाल ने व्यवस्थाओं को लेकर औचक निरीक्षण किया और मरीजों से मिलकर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी ली। निजी सहायक नरेन्द्र सैन ने बताया कि भीषण गर्मी को

देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का उपखंड अधिकारी ने निरीक्षण किया गया। इस दौरान जनरल वार्ड, दवा वितरण केन्द्र तथा दवाइयों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए गए, साथ ही आपातकालीन दवाइयों को हमेशा उपलब्ध रखने के लिए कहा गया, और जच्चा वार्ड का निरीक्षण किया गया। वही भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए लू ताप-घात से बचाव हेतु अलग से 5 बेड रिजर्व हेतु अवगत कराया एवं वार्डो में साफ़ सफाई की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जाहिर की वही वार्ड में बेडशीट (चादरों) को त्वरित बदलने के प्रभारी को निर्देश दिए गए । इस मौके पर सीएचसी प्रभारी डॉ जवाहर सिंह, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ हेमंत वर्मा, डॉ सतीश चौधरी आदि स्टाफ उपस्थित

पेड़ से टकराकर स्कूटी सवार युवक की हुई मौत

मरुधर विशेष

कठूमर(दिनेश लेखी)। थाना क्षेत्र के मसारी रोड स्थित सुर्री मंदिर के सामने सड़क मार्ग पर कीकड़ के पेड़ से टकराकर स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हेड कांस्टेबल रघुवीर सिंह के ने बताया कि मंगलवार को 28 वर्षीय युवक श्याम सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह जाटव एक्टिवा स्कूटी पर सवार होकर कठूमर से अपने गांव चौहरी के नंगला की ओर आ रहा था कि स्कूटी अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे कठूमर सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहाँ डॉक्टरो ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिया।

डॉ. हर्षा त्रिवेदी का भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान से नेशनल फेलोशिप हेतु चयन

मरुधर विशेष

बांसवाड़ा राजस्थान के डूंगरपुर से संबंध रखने वाली सुप्रसिद्ध लेखिका, समाजसेवी और शोधार्थी डॉ. हर्षा त्रिवेदी का भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान (IIAS), राष्ट्रपति निवास, शिमला द्वारा प्रतिष्ठित फेलोशिप हेतु चयन हुआ है। देशभर से घोषित 17 चयनित फेलोज की सूची में डॉ. त्रिवेदी का चयन हुआ है, जो उनकी गहन विद्वता, शोध क्षमता और चिंतनशील दृष्टिकोण का प्रमाण है। द्धद्धस् की यह 2 वर्षीय फेलोशिप देश की सर्वोच्च अकादमिक उपाधियों में से एक है ,जो कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की जाती है।डॉ. हर्षा वर्तमान में दिल्ली स्थित विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज़-टीसी में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। साथ ही वे नौ पुस्तकों की लेखिका हैं एवं उनके तीस से अधिक शोधपत्र राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अनेक वैश्विक मंचों पर उन्होंने सनातन संस्कृति विषय पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे विप्र फाउंडेशन के इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर परशुराम कॉन्शसनेस (ISPAC) की चेयरपर्सन भी हैं। डॉ.हर्षा ने इस उपलब्धि का श्रेय माँ गायत्री अपने परिवार और गुरुजनों को देते हुए कहा, भारतीय सनातन संस्कृति की दिव्य शक्ति से निश्चित ही भारत पुनः विश्वगुरु के पद पर आसीन होगा ।उनकी यह उपलब्धि देश के युवा शोधार्थियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

खुफिया विभाग ने ईंट भट्टे से पकड़े 16 बांग्लादेशी

मरुधर न्यूज रेवाड़ी, अमित सैनी

रेवाड़ी में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों को पकड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। हरीनगर फ्लाईओवर के निकट स्थित विपिन भट्ठे से केंद्रीय खुफिया एजेंसी आईबी व रेवाड़ी पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चलाते हुए 16 बांग्लादेशियों को पकड़ा है। यह बांग्लादेशी पिछले करीब 20 सालों से भारत में रह रहे है, और सबसे पहले इन्होंने मेवात को अपना ठिकाना बनाया था। मेवात के बाद झज्जर और नारनौल जिले में भी यह लंबे समय तक रहे। अब यह बीते काफी समय से विपिन भट्ठे पर काम कर रहे थे। इन 16 लोगों में 9 बच्चे हैं और सात बालिग लोग हैं। इन सभी के विरुद्ध रामपुरा थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। यहां बता दे की खुफिया विभाग व पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में अभी तक रेवाड़ी जिले में विभिन्न भट्ठों पर से 60 बांग्लादेशी लोगों को पकड़ा जा चुका है। वहीं 28 बांग्लादेशियों को दिल्ली पुलिस पकड़कर अपने साथ ले जा चुकी है। देखा जाए तो कहीं ना कहीं भट्ठा संचालकों की भी इसमें बड़ी लापरवाही है। भट्ठा संचालक बिना पहचान सुनिश्चित किए ही श्रमिकों को अपने यहां नौकरी पर रख लेते हैं, लेकिन अब खुफिया विभाग व पुलिस ढूंढ ढूंढ कर ऐसे बांग्लादेशी को पकड़ रही है।

चंडीगढ़ में होंगे प्लेऑफ के मुकाबले, फाइनल होगा अहमदाबाद में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग का रोमांच अपने चरम पर पहुंचने वाला है। इस बार के टूर्नामेंट के लिए प्लेऑफ और फाइनल के वेन्यू की घोषणा हो चुकी है।

क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह खबर बेहद खास है क्योंकि इस बार चंडीगढ़ में प्लेऑफ के मुकाबले देखने को मिलेंगे तो वहीं फाइनल मुकाबले के लिए भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने वेन्यू तय कर लिया है। आईपीएल 2025 के लिए बीसीसीआई के शेड्यूल अनुसार प्लेऑफ के पहले दो मुकाबले मुल्लांपुर में खेले जाएंगे। तो वहीं फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना तय किया गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की बैठक में शेड्यूल हुआ तैयार

पहले कोलकाता में होना था फाइनल

बता दें कि आईपीएल का जब पहले शेड्यूल का ऐलान किया गया था, तो उस समय फाइनल की मेजबानी कोलकाता के ईडन गार्डन को दी गई थी। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद इसके वेन्यू में बदलाव किया गया है। मीडिया की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें प्लेऑफ के मुकाबले मुल्लांपुर में कराने की बात कही गई है।

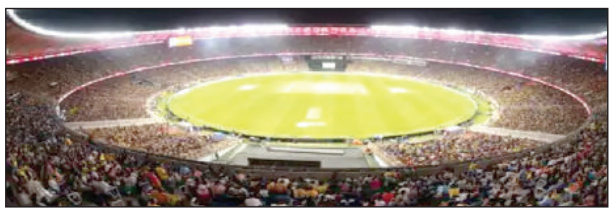

चंडीगढ़ में होंगे पहले दो प्लेऑफ मैच

आईपीएल के पहले दो प्लेऑफ मुकाबले चंडीगढ़ के पास मुल्लांपुर में खेले जाएंगे। मुल्लांपुर का महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम इस बार इन अहम मैचों की मेजबानी करेगा। यह स्टेडियम पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का नया मैदान है, जो हाल ही में बीसीसीआई और आईसीसी से अंतरराष्ट्रीय मैचों की मंजूरी पा चुका है। यह स्टेडियम 33,000 दर्शकों की क्षमता वाला है और अपनी खूबसूरत बनावट के लिए जाना जाता है।

इस स्टेडियम में हो चुके हैं मुकाबले

मुल्लांपुर में पहला प्लेऑफ क्वालिफायर 1 होगा, जिसमें टॉप-2 टीमें आमने-सामने होंगी, और दूसरा मुकाबला एलिमिनेटर होगा, जिसमें तीसरे और चौथे नंबर की टीमें भिड़ेंगी। इस स्टेडियम में पहले भी आईपीएल के कुछ मैच हो चुके हैं, जहां पंजाब किंग्स ने अपनी मेजबानी की थी।

अहमदाबाद में होगा फाइनल

आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है, जिसमें 1 लाख से ज्यादा दर्शक एक साथ बैठकर मैच का लुत्फ उठा सकते हैं। अहमदाबाद को एक बार फिर से फाइनल की मेजबानी मिलना इस बात का सबूत है कि यह शहर बड़े क्रिकेट आयोजनों का पसंदीदा स्थान बन चुका है।

ढेर सारी खूबियां हैं नरेंद्र मोदी स्टेडियम की

नरेंद्र मोदी स्टेडियम अपनी शानदार सुविधाओं और बड़े स्क्रीन के लिए मशहूर है। यहां रात में होने वाले मैचों में स्टेडियम की रंग-बिरंगी लाइटें दर्शकों का उत्साह और बढ़ा देती हैं। आईपीएल का फाइनल इस स्टेडियम में खेला जाना फैंस के लिए एक शानदार अनुभव होगा।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	12	9	3	18
बेंगलुरु	12	8	3	17
पंजाब	12	8	3	17
मुंबई	12	7	5	14
दिल्ली	12	6	5	13
कोलकाता	13	5	6	12
लखनऊ	12	5	7	10
हैदराबाद	12	4	7	9
राजस्थान	14	4	10	8
चेन्नई	13	3	10	6

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
617 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
21 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

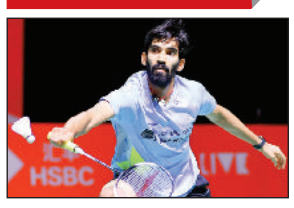

श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने मंगलवार को मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है। क्वालीफाइंग दौर में यह भारत के लिए एकमात्र अच्छी खबर रही, क्योंकि अन्य भारतीय खिलाड़ी एकल वर्ग में क्वालीफायर की चुनौती से पार नहीं पा सके। यह टूर्नामेंट बीडब्ल्यूएफ टूर सुपर 500 सीरीज का हिस्सा है और इसमें दुनिया के चोटी के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता विश्व रैंकिंग की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधू और एचएस प्रणय बुधवार को 475,000 डॉलर इनामी इस प्रतियोगिता में अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

कार्लसन बनाम 'विश्व' बाजी ड्रॉ रही

बर्लिन। नॉर्वे के शतरंज ग्रैंडमास्टर मैग्नस कार्लसन को सोमवार को दुनिया भर के एक लाख 43 हजार से अधिक लोगों ने ड्रॉ पर मजबूर कर दिया जो इस पूर्व विश्व चैंपियनशिप के खिलाफ एक साथ मिलकर खेल रहे थे। 'मैग्नस कार्लसन बनाम विश्व' के नाम से सुर्खियां बटोरने वाला यह ऑनलाइन मुकाबला चार अप्रैल को 'चेस.कॉम' पर शुरू हुआ था जो दुनिया की सबसे बड़ी शतरंज वेबसाइट है। यह पहला ऑनलाइन फ्रीस्टाइल मुकाबला था जिसमें विश्व चैंपियन ने हिस्सा लिया।

ब्राइटन ने लीवरपूल को 3-2 से हराया

ब्राइटन। स्थानापन्न खिलाड़ी जैक हिन्सेलवुड के गोल की मदद से ब्राइटन ने इंग्लिश प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां लीवरपूल को 3-2 से हराकर यूरोपीय क्लब फुटबॉल में खेलने की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। अगर चौथे स्थान पर चल रही चेल्सी की टीम अगले हफ्ते यूरोपा कांफ्रेंस लीग जीत लेती है जो संभावना है कि प्रीमियर लीग में आठवें स्थान की टीम अगले सत्र में कांफ्रेंस लीग में जगह बना सकती है। सोमवार की जीत से ब्राइटन की टीम प्रीमियर लीग अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई।

सुपर किंग्स को 6 विकेट से दी मात

'वंडर किड' रघुवंशी की पारी से रॉयल्स ने चेन्नई को हराकर आईपीएल से विदा ली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैभव सूर्यवंशी के 33 गेंद में 57 रन की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने अपने आखिरी मैच में मंगलवार को महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स को विकेट से हराकर आईपीएल से विदा ली। जीत के लिये 188 रन का लक्ष्य रॉयल्स ने 17.1 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ रॉयल्स अब 13 मैचों में आठ अंक लेकर दस टीमों में नौवें स्थान पर है जबकि चेन्नई 12 मैचों में आठ अंक के साथ आखिरी स्थान पर है और उसे एक पायदान ऊपर आने के लिये अब अपने आखिरी मैच में गुजरात टाइटंस पर बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। कोच राहुल द्रविड़ की खोज चौदह वर्ष और 54 दिन के सूर्यवंशी उस समय पांच दिन के थे जब धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2011 में वनडे विश्व कप जीता था। धोनी के प्रशंसकों से भरे अरूण जेटली स्टेडियम पर ऐसी साहसिक पारी खेलकर उन्होंने साबित कर दिया कि बदलाव के दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। यही बात चेन्नई के आयुष म्हात्रे के लिये भी कही जा सकती है जिन्होंने खराब शुरूआत से चेन्नई को निकालकर आठ विकेट पर 187 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। रॉयल्स को यशस्वी जायसवाल से आक्रामक शुरूआत मिली लेकिन वह चौथे ओवर में अंशुल कम्बोज की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 19 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाये। इसके बाद सूर्यवंशी और कप्तान संजू सैमसन ने 59 गेंद में 98 रन की साझेदारी की। इस सत्र में शतक बना चुके सूर्यवंशी ने मैदान के चारों ओर दर्शनीय स्ट्रोक्स लगाकर अपनी प्रतिभा की झलक एक बार फिर पेश की। दूसरे छोर पर सैमसन ने भी रनगति को तेज बनाये रखा। इन दोनों के क्रीज पर रहते रॉयल्स आसान जीत की ओर बढती दिख रही थी। अश्विन ने एक ही ओवर में दोनों को पवेलियन भेजकर पासा पलटने की कोशिश की। चौदहवें ओवर में सैमसन (31 गेंद में तीन चौकों , दो छक्कों के साथ 41 रन) को ब्रेविस के हाथों लपकवाने के बाद सूर्यवंशी को रविंद्र जडेजा के हाथों कैप आउट कराके पवेलियन भेजा । इसके बाद हालांकि ध्रुव जुरेल (12 गेंद में 31 रन) और शिमरोन हेटमायेर (पांच गेंद में 12 रन) ने टीम को जीत तक पहुंचाया।

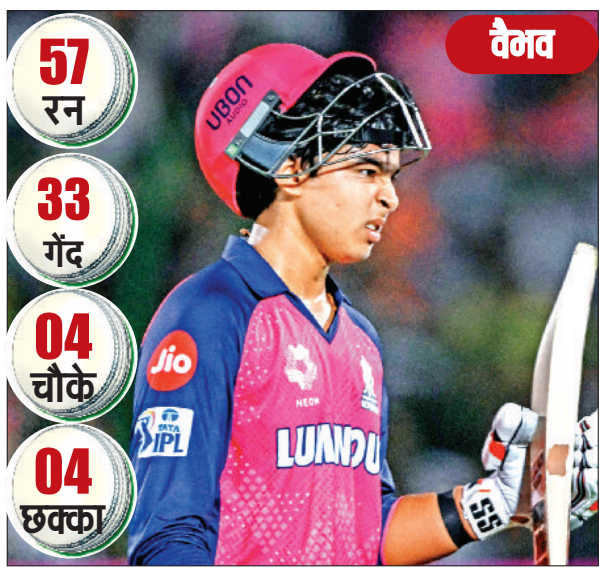

पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई चेन्नई की शुरूआत एक बार फिर खराब रही और दूसरे ओवर के बाद उसके दो बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे जब स्कोर बोर्ड पर 12 रन ही टंगे थे। इसके बाद म्हात्रे (20 गेंद में 43 रन), ब्रेविस (25 गेंद में 42 रन) और शिवम दुबे (32 गेंद में 39 रन) ने उपयोगी पारियां खेली । धोनी 14वें ओवर में बल्लेबाजी के लिये आये लेकिन 17 गेंद में 16 रन बनाकर आखिरी ओवर में मधवाल का शिकार हुए।

प्ले ऑफ में दावा मजबूत करने आज मुंबई और दिल्ली में होगी भिड़ंत

मुंबई। एकमात्र उपलब्ध प्ले ऑफ स्थान के लिए चुनौती पेश कर रही मुंबई इंडियन्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को जब यहां आमने-सामने होंगी तो दोनों की नजरें इस मुकाबले को जीतकर अपना दावा मजबूत करने पर टिकी होंगी। मुंबई का पलड़ा हालांकि भारी नजर आ रहा है। टीम ने बेहद खराब शुरुआत के बाद जोरदार वापसी की और अब शीर्ष चार में शामिल है। दिल्ली की शुरुआत काफी अच्छी रही थी लेकिन टीम अपने पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई है। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाला यह मैच 21 मई को वानखेड़े स्टेडियम में सायं 7.30 बजे से खेला जाएगा। बता दें कि सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लखनऊ सुपरजाइंट्स की हार के साथ टीम की प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद भी खत्म हो गई जिससे अब मुकाबला मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगा। गुजरात टाइटन्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले ही नॉकआउट में जगह पक्की कर ली है। ऐसे में प्लेऑफ में बने रहने के लिए दोनों टीमों को जीत जरूरी है।

खास खबर

दिग्वेश को अभिषेक से भिड़ना पड़ा महंगा, एक मैच के लिए निलंबित

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के 61वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी को सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से उलझना महंगा पड़ गया है। इस मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने राठी पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाने के साथ 2 डिमेरिट अंक दिए हैं। इसके साथ ही उनके डिमेरिट अंकों की संख्या 5 होने पर उन्हें आखिरी मैच से निलंबित भी कर दिया गया है।

क्या है पूरा मामला? : दरअसल, मैच में एलएसजी से मिले 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक ने 20 गेंद में 59 रन की ताबड़तोड़ पारी खेल थी। इस दौरान राठी ने उन्हें आउट कर ट्रेडमार्क सिग्नेचर स्टाइल सेलिब्रेशन किया तो अभिषेक भड़क गए। उन्होंने राठी के पास जाकर कुछ कहा तो मामला और गरमा गया। इसके बाद दोनों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई। ऐसे में अंपायर और साथी खिलाड़ियों को बीच-बचाव कर मामला शांत करना पड़ा।

मुंबई इंडियंस ने बेयरस्टो, ग्लीसन और असलंका को अनुबंधित किया

नई दिल्ली। पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने 26 मई को टीम के अंतिम लीग मैच के बाद अपनी-अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ने के लिए स्वाना होने वाले विदेशी खिलाड़ियों के एक समूह के विकल्प के तौर पर जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और चरिथ असलंका को अनुबंधित किया है। इंग्लैंड के विल जैक्स और दक्षिण अफ्रीका के रेयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश 26 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुंबई के अंतिम लीग मैच के बाद वापस लौट जाएंगे। तीनों वैकल्पिक खिलाड़ी प्लेऑफ चरण से ही उपलब्ध होंगे, बशर्ते कि मुंबई इंडियंस नॉकआउट दौर के लिए क्वालीफाई कर ले।

शामिल खिलाड़ियों की कीमत : जारी विज्ञप्ति में कहा गया जॉनी बेयरस्टो 5.25 करोड़ रुपये में टीम में शामिल होंगे।" इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रिचर्ड ग्लीसन एक करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर रेयान रिकेल्टन जबकि श्रीलंकाई बल्लेबाज चरिथ असलंका 75 लाख रुपये में कॉर्बिन बॉश की जगह लेंगे।

बेंगलुरु को मिली बड़ी खुशखबरी, बल्लेबाजों की नाक में दम करने वाला गेंदबाज हुआ फिट!

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैंस के लिए एक शानदार खबर सामने आई है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अब पूरी तरह फिट हो गए हैं और उन्होंने नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर दी है। यह खबर आईपीएल 2025 के प्लेऑफ से ठीक पहले आई है, जो आरसीबी के लिए एक बड़ा बूस्ट है। जोश हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया के एक अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, जो अपनी सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस सीजन में वह चोट की वजह से कुछ समय के लिए बाहर थे। इससे पहले, उन्हें कंधे में तकलीफ हुई थी, जिसके कारण वह कई अहम मैचों में नहीं खेल पाए थे लेकिन अब उनकी वापसी की खबर ने आरसीबी टीम और फैंस को राहत दी है। हेजलवुड ने नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर दी है और वह पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं। उनकी सटीक लाइन और लेंथ बल्लेबाजों को हमेशा परेशान करती है, और अब वह प्लेऑफ में विपक्षी टीमों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

फिटनेस पर है महिला हॉकी टीम का फोकस

योयो टेस्ट में 19 से ऊपर जा रहा है स्कोर : कप्तान सलीमा टेटे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेटरों के योयो टेस्ट स्कोर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं लेकिन पिछले कुछ अर्से से महिला हॉकी टीम फिटनेस पर लगातार काफी मेहनत कर रही है और कप्तान सलीमा टेटे का कहना है कि उनकी टीम का योयो टेस्ट का स्कोर 19.4 तक जा रहा है।

सलीमा ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि कोच हरेंद्र सिंह के आने के बाद से सबसे ज्यादा काम महिला टीम की फिटनेस पर हुआ है और इसका नतीजा देखने को मिल रहा है। सलीमा ने कहा हरेंद्र सर ने फिटनेस पर सबसे ज्यादा काम किया है। फिटनेस होने पर किसी भी टीम को हम हरा सकते हैं। जिन खिलाड़ियों के पास गति नहीं थी, अब उनके खेल में काफी बदलाव आया है। सुनेलिटा टोप्पो, नवनीत कौर, शर्मिला जैसी कई खिलाड़ी हैं जिनके पास गजब की रफ्तार है।

भारतीय टीम का यूरोप दौरा 14 से : अब हम यूरोप में प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन की पूरी कोशिश करेंगे। भारतीय टीम 14 से 29 जून तक एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में लंदन, एंटवर्प, बर्लिन में आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के खिलाफ दो दो मैच खेलेगी।

योयो टेस्ट दुनियाभर में किया जाता है

क्या महिला हॉकी खिलाड़ियों को भी योयो टेस्ट से गुजरना होता है, यह पूछने पर सलीमा ने कहा बिल्कुल। ब्रेक के बाद जब भी घर से आते हैं तो योयो टेस्ट देना होता है। अब तो योयो स्कोर 19.4 तक जाने लगा है।'योयो इंटरमिटेंट रिकवरी टेस्ट' खिलाड़ियों की फिटनेस और गतिशीलता का आकलन करने के लिये दुनिया भर में किया जाता है। यह एक तरह का बीप टेस्ट होता है जिसमें खिलाड़ी को 20 मीटर की दूरी पर रखे गए दो कोणों के बीच दौड़ना होता है। पुरूष खिलाड़ियों में 20 से अधिक और महिलाओं में 16 से अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है। **फिटनेस ड्रिल में बहुत भागना होता है** : फिटनेस ड्रिल के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा हमारे तीन तीन मिनट के स्मॉल गेम होते हैं जिसमें बहुत भागना होता है। यह काफी मुश्किल होता है जिसमें फिटनेस की अच्छी ड्रिल हो जाती है। भारतीय महिला टीम का हाल ही में आस्ट्रेलिया दौरे पर प्रदर्शन औसत रहा जिसमें टीम सिर्फ एक मैच जीत सकी लेकिन सलीमा ने कहा कि इस दौरे से मिली सीख यूरोप में एफआईएच प्रो लीग के अगले चरण में काफी काम आयेगी।

ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल डोप परीक्षण में विफल

आठ साल के प्रतिबंध का खतरा

नई दिल्ली। ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह अपने करियर में दूसरी बार डोप परीक्षण में विफल हो गए हैं और अगर वह दोषी पाए जाते हैं तो उन पर अधिकतम आठ साल का प्रतिबंध लग सकता है। तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले 29 वर्षीय शिवपाल के बारे में पता चला है कि इस साल की शुरुआत में प्रतियोगिता के इतर लिया गया उनके मूत्र के नमूने का नतीजा जांच में प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव आया है। वह उस समय एनआईएस पटियाला में प्रशिक्षण ले रहे थे। शिवपाल को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''हां, प्रतिबंधित पदार्थ के लिए उनके परीक्षण का नतीजा पॉजिटिव आया है। यह उनका दूसरा डोप अपराध है।''अगर शिवपाल दोषी पाए जाते हैं और उन पर लंबा प्रतिबंध लगता है तो उनका करियर लगभग खत्म हो जाएगा।

जीटी के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने खेली नाबाद 205 रन की पारी

आईपीएल इतिहास में पहले विकेट के लिए की गई सर्वोच्च साझेदारियां, राहुल-डिकॉक ने ठोंके 210 रन

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 60वें मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 10 विकेट से हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली। मैच में डीसी ने पहले खेलते हुए 199/3 का स्कोर बनाया था। जवाब में जीटी ने साई सुदर्शन (108*) और शुभमन गिल (93*) की उम्दा पारियां से जीत हासिल कर ली। दोनों के बीच नाबाद 205 रन की साझेदारी हुई। आईपीएल इतिहास में पहले विकेट की सर्वोच्च साझेदारियों के लिए इनके नाम भी हैं सुर्खियों में।

केएल राहुल-क्विंटन डिकॉक - 210* रन बनाम केकेआर, 2022

आईपीएल में पहले विकेट के लिए सर्वोच्च साझेदारी का रिकॉर्ड केएल राहुल और क्विंटन डिकॉक के नाम दर्ज है। दोनों ने साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 210 रन की साझेदारी निभाई थी। एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डिकॉक (140*) और राहुल (68*) की पारियों से बिना किसी नुकसान के 210 रन का स्कोर बनाया था। जवाब में केकेआर की टीम 208/8 का ही स्कोर बना पाई थी।

गिल-सुदर्शन - 210 रन बनाम सीएसके, 2024

इस सूची में दूसरे नंबर पर गिल और सुदर्शन हैं। दोनों ने साल 2024 में **GT** की ओर से चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पहले विकेट के लिए 210 रन की साझेदारी निभाई थी। जीटी ने पहले खेलते हुए गिल (104) और सुदर्शन (103) की पारियों के दम पर 3 विकेट पर 231 का स्कोर बनाया था। जवाब में सीएसके की टीम डेरिल मिचेल (63) और मोईन अली (56) की पारियों के बाद 196/8 का ही स्कोर बना पाई थी।

गिल-सुदर्शन - 205* रन बनाम डीसी , 2025

इस सूची में तीसरे नंबर पर भी गिल और सुदर्शन ही हैं। दोनों ने आईपीएल 2025 के 60वें मुकाबले में जीटी की ओर से डीजी के खिलाफ पहले विकेट के लिए 205* रन की साझेदारी निभाई। डीसी ने पहले खेलते हुए राहुल (112*) की शानदार शतकीय पारी की बदौलत 199/3 का स्कोर बनाया था।

सिर्फ 2381 गेंद में ढेर किए दिग्गज बल्लेबाज

हर्षल ने सबसे तेज लिए 150 आईपीएल विकेट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ मैच के दौरान अहम उपलब्धि हासिल की। दरअसल, उन्होंने इस प्रतिष्ठित लीग में अपने 150 विकेट पूरे किए। एलएसजी के एडेन मार्करम उनके आईपीएल करियर का 150वां शिकार बने। उन्होंने इकाना स्टेडियम में मार्करम (61) को बोल्ड कर दिया।

इस विशेष सूची में शामिल हुए हर्षल

आईपीएल के इतिहास में हर्षल अब 150 विकेट लेने वाले 5वें तेज गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले तेज गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार (193), ड्वेन ब्रावो (183), जसप्रीत बुमराह (178), और लसिथ मलिंगा (170) ऐसा कर चुके हैं। स्पिनरों को भी शामिल किया जाए तो हर्षल आईपीएल में 150 विकेटों का आंकड़ा छूने वाले कुल 12वें गेंदबाज बने हैं। वह डेथ ओवर्स में उम्दा गेंदबाजी करने के लिए जाने जाते हैं।

सबसे कम गेंदों में चटकाए 150 विकेट

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हर्षल ने 150 आईपीएल विकेट (2,381) पूरे करने के लिए सबसे कम गेंदें फेंकी। उन्होंने श्रीलंका और मुंबई इंडियंस के दिग्गज मलिंगा को पीछे छोड़ दिया, जिन्हें यह उपलब्धि हासिल करने के लिए 2,444 गेंदों का सहारा लिया था। इस सूची में चहल (2,543 गेंदें), ब्रावो (2,656) और बुमराह (2,832) अन्य हैं। हर्षल पारियों (114) के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। उनसे आगे मलिंगा (105 पारी) हैं।

ऐसा रहा है हर्षल का आईपीएल कॅरियर

हर्षल ने साल 2012 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपना आईपीएल करियर शुरू किया था। वह अब तक 117 मैचों की 114 पारियों में लगभग 23 की औसत के साथ 150 विकेट चटका चुके हैं। इसमें 5 बार 4 विकेट और 1 बार 5 विकेट हॉल शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/27 का रहा है। वह लीग इतिहास में 2 बार पर्पल कैप भी हासिल कर चुके हैं।

बाबिल की कंट्रोवर्सी पर बोले अमित साध

फिल्म 'पुणे हाइवे' को लेकर अमित साध इन दिनों चर्चा में हैं। बग्स भार्गव कृष्णा और राहुल दाकुन्हा ने इस फिल्म को निर्देशित किया है। अमित साध के अलावा इस फिल्म में जिम सरभ भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म को लेकर ही अमित साध ने बातचीत की। अपने करियर से जुड़ी कई बातें भी साझा कीं। साथ ही बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी पर भी अपनी राय रखी।

बाबिल के बारे में ये कहा

अमित साध का मानना है कि जिंदगी किसी के लिए भी आसान नहीं है। बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी से वह इस बात को जोड़ते हैं। अमित साध कहते हैं, 'क्या हुआ उसने एक पोस्ट ही तो की है, अभी वो बच्चा है। जो लोग उसे टारगेट कर रहे हैं, वो खुद को देखें कि उन्होंने क्या कांड किए हैं। मैं जानता हूं कि बाबिल खान का परिवार उसके साथ खड़ा है, उसको सपोर्ट कर रहा है, उसे प्यार दे रहा है। देखिएगा, वह शानदार कमबैक करेगा। मैं भी उसके साथ काम करना चाहता हूं, फिल्म करना चाहता हूं, उसे बताना चाहता हूं कि वह कितना स्पेशल है।' बताते चलें कि कुछ दिन पहले इरफान खान के बेटे बाबिल खान की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें वह रोते दिखे और बॉलीवुड के कुछ सेलिब्रिटी को फेक बताते नजर आए। इसके बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। एक दिन बाद बाबिल की टीम ने सफाई दी कि उन्हें एंग्जायटी अटैक पड़ते हैं और उनकी बातों का गलत मतलब लिया गया है। इस कारण से बाबिल को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया गया।

अमित बोले मैं भी बहुत कमजोर था

अमित साध यह भी बताते हैं कि जब आप इस इंडस्ट्री में आते हैं तो आपको तैयार रहना चाहिए कि लोग आपको जज करेंगे। वह कहते हैं, इस बात का असर आपके ऊपर हो सकता है, आप अलग-अलग तरह की चीजें सोचने पर मजबूर हो जाते हैं, गिरने की तरफ बढ़ने लगते हैं। लेकिन अगर आपके आसपास लोग ऐसे हैं, तो आपको सपोर्ट करते हैं तो आप बच जाते हैं। मैं भी बहुत कमजोर इंसान था, मुझे जल्दी ठेस पहुंच जाती थी। हां, अब मैं काफी मजबूत हूं। मेरी जिंदगी में अच्छे लोग आए, उनकी सलाह मैंने मानी।

फिल्म 'पुणे हाइवे' की क्या है कहानी

अमित साध की फिल्म 'पुणे हाइवे' की बात करें तो यह एक थ्रिलर ड्रामा है। इसमें तीन दोस्त हैं, जो एक मर्डर होने के बाद अलग-अलग तरह से प्रभावित होते हैं। फिल्म में अमित साध, जिम सरभ के अलावा स्मिता डोगरे, स्वप्निल अजगांवकर और मंजरी फडणीस जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे।

दिलजीत दोसांझ ने छोड़ी नो एंट्री 2

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ से जुड़ी एक खबर सामने आई है। खबर है कि उन्होंने नो एंट्री फिल्म के सीक्वल से अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। मेकर्स से क्रिएटिव मतभेद के कारण उन्होंने क्विट करने का फैसला लिया है। मार्च 2024 में ऐलान हुआ था कि दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ अहम रोल में नजर आएंगे। दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड थे। लेकिन पिछले कुछ हफ्तों से वो फिल्म क्रिएटिव के आइडिया से तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने क्रिएटिव मतभेद के कारण इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया। हालांकि, चमकीला फिल्म के एक्टर ने अभी तक इस पर कोई अपडेट नहीं दिया है। प्रोड्यूसर्स भी चुप्पी साधे हुए हैं।

दिलजीत के फैंस हुए खुश!

जैसे ही ये खबर सामने आई, दिलजीत के फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि सिंगर ने फिल्म का हिस्सा ना बनने का अच्छा फैसला लिया है। एक यूजर ने लिखा, उन्हें पहले ही ये प्रोजेक्ट नहीं लेना चाहिए था। दूसरे ने लिखा, अच्छा हुआ कि उन्होंने ये प्रोजेक्ट छोड़ दिया। वो इन फिल्मों में फिट नहीं बैठते। दूसरे ने लिखा, अगर ऐसा है तो स्क्रिप्ट शायद एक रूढ़िवादी पंजाबी सरदार व्यक्ति की हो सकती थी।

20 साल पहले रिलीज हुई थी नो एंट्री

बता दें कि साल 2005 में नो एंट्री फिल्म आई थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान थे। इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। वे ही सीक्वल का डायरेक्शन भी करेंगे। निर्माता बोनी कपूर ने कथित तौर पर कहा था कि नई फिल्म में ऑरिजनल स्टार्स काम नहीं करेंगे। इस प्रोजेक्ट के लिए 10 फीमेल एक्ट्रेसेस को चुनने का प्रोसेस चल रहा है। उन्होंने कहा था, वो चैप्टर (पुरानी स्टार कास्ट का) खत्म हो चुका है। अब फिल्म में दिलजीत, वरुण और अर्जुन हैं। वरुण और अर्जुन सबसे अच्छे दोस्त हैं और दिलजीत कॉमेडी में शानदार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि ये एक अच्छा और दिलचस्प मेल है।

मिथुन के बेटे नमाशी ने बॉलीवुड को कहा फेक, आउटसाइडर को काम ना देने पर बिफरे

दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने फिल्म इंडस्ट्री में लंबा समय बिताया है। नाम, पैसा और शोहरत... सबकुछ मिला। पर अब उनके बेटे नमाशी ने बॉलीवुड के काले सच का खुलासा किया है। उन्होंने इंडस्ट्री को फेक बताया और आउटसाइडर्स को मौका ना देने के लिए मेकर्स की आलोचना भी की और पक्षपात का आरोप लगाया। नमाशी चक्रवर्ती ने कमलक्ष शेट्टी के साथ हूज ऑन एयर से बातचीत के दौरान कहा कि उनके पिता मिथुन चक्रवर्ती बॉलीवुड की अन्य हस्तियों की तरह नहीं हैं। वो बोले, बॉलीवुड के लोग बहुत नकली होते हैं, मेरे पिता एक बहुत बड़ा अपवाद हैं।

पापा ने खुद अपनी इंडस्ट्री बनाई कभी सपोर्ट नहीं मिला

मिथुन को सरल, विनम्र और ईमानदार बताते हुए नमाशी ने कहा, जब 1990 के दशक के मध्य में उनका करियर ढलान पर था, तब उन्होंने ऊटी में करीब 100 कम बजट की एक्शन फिल्में कीं। उन्हें बी-ग्रेड एक्टर कहा जाता था। उन्होंने अपनी खुद की इंडस्ट्री बनाई, लेकिन मीडिया ने कभी उसका समर्थन नहीं किया, उनके अपने फेवरेट हैं।

आउटसाइडर्स को काम देना भूल गया बॉलीवुड

बॉलीवुड में अक्सर इनसाइडर्स वर्सेस आउटसाइडर्स की लड़ाई चलती है। इसको लेकर वो बोले, बॉलीवुड आउटसाइडर्स को काम देना भूल गया है। आज ये सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप किसे जानते हैं... आपका बैकग्राउंड, आपका सरनेम और आपके कनेक्शन। पहले के दिनों में जिस किसी के भी पास टैलेंट होता था, वो इंडस्ट्री में सफल हो सकता था। आज अगर मिथुन चक्रवर्ती बंगाल से आते हैं तो मुझे नहीं लगता कि बॉलीवुड उन्हें लॉन्च करने या मौका देने के लिए एक्साइटेड होता। हम टैलेंट नहीं देखते हैं, हम सरनेम देखते हैं। दो साल पहले किया था डेब्यू नमाशी ने साल 2023 में बैड बॉय से बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, ये फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बॉक्स ऑफिस पर पिट गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, वो अगली बार महेश भट्ट के एक प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं।

नितेश तिवारी की रामायण में काजल अग्रवाल की एंट्री, मंदोदरी के किरदार में आएंगी नजर

फिल्म रामायण का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसकी तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। रामायण में भगवान राम की भूमिका में रणबीर कपूर नजर आएंगे। वहीं साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। यश रावण का रोल अदा करने वाले हैं। अब कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए मंदोदरी की तलाश भी पूरी हो गई है और एक साउथ एक्ट्रेस को चुना गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नितेश तिवारी की रामायण में काजल अग्रवाल की एंट्री हो गई है। वे इसमें रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभाती नजर आएंगी। उन्हें सुपरस्टार यश के अपोजिट देखा जाएगा। कहा तो यह भी जा रहा है कि फिल्म के लिए काजल ने शूटिंग भी शुरू कर दी है।

पहले साक्षी तंवर के नाम की थी चर्चा

मेकर्स को मंदोदरी के किरदार के महत्व को देखते हुए यश के अपोजिट एक मजबूत ऑन-स्क्रीन जोड़ी की तलाश थी। मेकर्स एक अच्छी हीरोइन की तलाश करने की कोशिशों में जुटे थे। पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि अभिनेत्री साक्षी तंवर फिल्म में मंदोदरी का किरदार निभा सकती हैं। मगर अब काजल अग्रवाल पर आकर तलाश पूरी हुई है।

इस वजह से काजल को किया गया साइन

मेकर्स ने फिल्म में मंदोदरी के लिए बॉलीवुड और क्षेत्रीय सिनेमा तक कई अभिनेत्रियों की तलाश की। तब जाकर काजल अग्रवाल को फाइनल किया गया है। बॉलीवुड से साउथ तक उनकी लोकप्रियता को देखते हुए मेकर्स ने यह फैसला लिया। फिल्म रामायण में सनी देओल को हनुमान के रोल में देखा जाएगा। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला पार्ट साल 2026 में दिवाली के अवसर पर आएगा। वहीं दूसरा पार्ट साल 2027 में रिलीज होगा।

द रॉयल्स के लिए भूमि पेडनेकर ही थी पहली पसंद

ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर की सीरीज द रॉयल्स नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज में शामिल सभी कलाकारों के किरदार लोगों को खुद से जोड़ पाने में सफल रहे हैं। भूमि हर बार की तरह इस बार भी अपने किरदार से दर्शकों के दिलों में उतर गईं। एक्ट्रेस को सीरीज में कास्ट करने के बारे में निर्देशक प्रियंका घोष ने खुलकर बात की और उन्हें चुनने के पीछे अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि इस सीरीज के लिए उनकी पहली पसंद भूमि पेडनेकर ही थीं। सीरीज में भूमि पेडनेकर ने सोफिया शेखर का किरदार निभाया है, जो एक महत्वाकांक्षी लड़की है और अपनी कंपनी रॉयल और बीबी को टॉप पोजीशन पर पहुंचाने के लिए एड़ी से चोटी का दम लगाती है।

प्रियंका ने कहा, सोफिया के किरदार को जल्दबाजी और तुरंत फैसले लेने की आदत है। मेरे लिए इस किरदार के लिए भूमि ही सही एक्ट्रेस थीं। मुझे भरोसा था कि वह इस स्वभाव को इस तरह निभा सकती हैं, जो ज्यादा जोरदार या नकारात्मक लगने के बजाय बल्कि स्क्रीन पर स्वाभाविक और समझदारी भरा लगे। भारत में अक्सर सशक्त और अधिकार जताने वाली महिलाओं को लोग आसानी से स्वीकार नहीं करते, यह एक सामाजिक सच्चाई है। भूमि के अंदर कोमलता और संवेदनशीलता है, जिससे वह इस किरदार को संतुलन दे सकती हैं। सोफिया में कई कमियां हैं, पर भूमि ही ऐसी हैं जो इस तरह के किरदार को भी दर्शकों के लिए पसंदीदा बना सकती हैं।

इस सीरीज में दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान, साक्षी तंवर, विहान समत, काव्या त्रेहान, चंकी पांडे, नोरा फतेही, उदित अरोड़ा, लीसा मिश्रा, सुमुखि सुरेश और डिनो मोरिया भी शामिल हैं। सीरीज में डिनो की कॉमिक टाइमिंग और बेहतरीन डायलॉग डिलीवरी है, जो कहानी में ताजगी का तड़का लगाने का काम करती है। अपने रोल को लेकर डिनो मोरिया ने कहा है कि वे शो के किरदार में अपने आप की ही झलक दिखा रहे थे। डिनो मोरिया ने अपने किरदार के बारे में जानकारी दी और बताया कि उन्हें एक सनकी किरदार सलाहुद्दीन को निभाने में बहुत मजा आया। यह किरदार मेरी असली जिंदगी के स्वभाव से काफी मिलता-जुलता है।

उन्होंने कहा, इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक मजेदार सफर रहा। शूटिंग के दौरान मैंने खूब मजे किए, हंसी-मजाक किया और सेट पर समय का आनंद लिया। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे यह अवसर देने के लिए आपका धन्यवाद। मैं कैमरे के सामने खुद को पेश कर रहा था। अपनी किरदार के जैसा मैं असल जिंदगी में हूं, मुझे यह काफी पसंद आया। यह मजेदार और खुशमिजाज था।

इन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को बताया टीवी से भी बदतर

अनुराग कश्यप बॉलीवुड में लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, वेब सीरीज की दुनिया में भी वह 'सेक्रेड गेम्स' जैसी सीरीज को निर्देशित कर चुके हैं। हाल ही में अनुराग का गुस्सा कुछ नामी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर फूटा है। इनमें से कुछ स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के साथ वह पहले काम भी कर चुके हैं। जानिए, क्या बोले अनुराग कश्यप। हाल ही में एक बातचीत में अनुराग कहते हैं, 'जब हमने सेक्रेड गेम्स और लस्ट स्टोरीज की, तब नेटफ्लिक्स भारत में आया था, हमें लगा कि यह एक अच्छा मौका है। हमने उनके साथ बहुत अच्छा काम किया। फिर धीरे-धीरे सबकुछ बदल गया। कोविड के बाद अब वे जो कर रहे हैं, वह तो टेलीविजन से भी बदतर है। आप इन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जाते हैं और वे आपको बेवकूफ बना रहे हैं। आखिर में ये सभी कंपनियां चाहे नेटफ्लिक्स हो, अमेजन या एप्पल हो भारत आ रही हैं क्योंकि इन्हें हमारा डाटा चाहिए। आज के जमाने में डाटा, तेल (इंधन वाला तेल) की तरह की कीमती है।' अनुराग आगे कहते हैं, 'ये लोग हमारी अधिक से अधिक आबादी को अपना सब्सक्रिप्शन बेचना चाहते हैं। सभी लोगों तक पहुंचना चाहते हैं। वे किसी को नाराज नहीं करना चाहते। ऐसे में ये लोग सिनेमा नहीं बनाना चाहते, बस कंटेंट बना रहे हैं। ये स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इस बात से खुश हैं कि लोग सड़क पर चलते हुए फोन में इनके शो देख रहे हैं।'

अनुराग कश्यप ने कुछ वक्त पहले खुलासा किया था कि उनकी वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स 3' को नेटफ्लिक्स ने रद्द कर दिया था। दरअसल, सीरीज 'तांडव' को मिली आलोचना के बाद नेटफ्लिक्स ने यह फैसला लिया था। इसके अलावा 'मैक्सिमम सिटी' नाम का एक प्रोजेक्ट अनुराग कर रहे थे, उसे भी रद्द कर दिया गया है। यही कारण है कि अनुराग नामी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से नाराज हैं।

अनुराग कश्यप अभिनय में भी उतर चुके हैं पिछले कुछ समय से अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' रिलीज का इंतजार रही है, इस बात से वह काफी दुखी हैं। इसके अलावा वह मुंबई छोड़कर अब दक्षिण भारत में जाकर रहने लगे हैं। इन दिनों साउथ की कई फिल्मों में विलेन के रोल में भी नजर आ रहे हैं। साउथ फिल्म 'महाराजा(2024)' में वह नजर आए थे, इसमें भी नेगेटिव रोल अनुराग ने किया था। इस साल भी वह कुछ साउथ की फिल्मों में एक्टिंग कर रहे हैं।

राजू और श्याम तो रहेंगे पर बदल जाएंगे 'बाबू भैया'!

बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक कॉमेडी फिल्मों में से एक 'हेरा फेरी' का तीसरा भाग लंबे समय से सुर्खियों में बना हुआ है। फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि कब राजू, श्याम और बाबू भैया की तिकड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाएगी। लेकिन अब फैंस को बड़ा झटका लगा है। परेश रावल ने छोड़ी हेरा फेरी 3

दरअसल रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 को छोड़ दिया है। जी हां, एक्टर अब अपने फेमस किरदार बाबूराव के रूप में फैंस को एंटरटेन करते हुए नजर नहीं आएंगे। इस खबर के सामने आते ही फैंस हैरान रह गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक परेश रावल ने क्रिएटिव मतभेदों के चलते फिल्म को अलविदा कहा है। वो फिल्म की स्क्रिप्ट से खुश नहीं थे इसलिए उन्होंने फिल्म को छोड़ना ही बेहतर समझा। रिपोर्ट की मानें तो परेश रावल इस सीक्वल को लेकर काफी असमंजस में थे और अंत में उन्होंने इससे हटने का फैसला ले लिया।

सूत्रों के मुताबिक अब भी अगर बातचीत सही दिशा में जाती है, तो परेश को मनाया जा सकता है।

बानसूर को मिली बड़ी सौगात, 10 करोड़ रूपये की लागत से 12 सड़कों का होगा निर्माण, रामपुर से लेकड़ी तक सड़क निर्माण में होंगे तीन करोड़ रूपये खर्च

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर ।विधायक देवीसिंह शेखावत की अभिशंशा पर विधानसभा क्षेत्र में 12 सड़कों के निर्माण की स्वीकृति जारी की गई है। जिसमें 10 करोड़ रूपये की लागत से 23 किलोमीटर सड़कों के निर्माण की मंजूरी मिली है। जिसमें पिछले कई सालों से रामपुर क्षेत्र वासियों की मांग को देखते हुए रामपुर से लेकड़ी सड़क निर्माण की भी स्वीकृति जारी कर दी है जिससे क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है और विधायक का आभार जताया है।

Pwd विभाग के ऐईएन शेर सिंह मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि

विधायक देवीसिंह शेखावत की अभिशंशा पर बानसूर विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ रूपये की लागत से 12 सड़कों का निर्माण कार्य होगा।

जिसमें इन सड़कों का होगा निर्माण -

1. रामपुर से लेकड़ी वाया गौशाला 3 करोड़ रूपये की लागत से 4 किलोमीटर सड़क का निर्माण 2. कल्याणपुरा से मुकुंदपुरा 1 करोड़ 40 लाख रूपये की लागत से 2.60 किलोमीटर सड़क निर्माण 3. बामनवास मुख्य सड़क से मलोडी होते हुए गुवाड़ा की ओर 60 लाख रूपये की लागत से 1.10 किलोमीटर सड़क निर्माण 4. नारायणपुर बस स्टैण्ड से सती माता मंदिर 40 लाख रूपये की लागत से 1.35 किलोमीटर सड़क निर्माण 5. जोधपुरा से कोलाहेडा रोड 48 लाख रूपये की लागत से 1.60 किलोमीटर सड़क निर्माण 6. गढ़ी खरकड़ी से बासभुरिया 45 लाख रूपये की लागत से 1.50 किलोमीटर सड़क निर्माण 7. स्टेट हाइवे 52 से बिलाठ वाया बासना 89 लाख रूपये की लागत से तीन किलोमीटर सड़क निर्माण 8. हरसौरा बानसूर रोड से रायली 1 करोड़ 2 लाख रुपए की लागत से 3.40 किलोमीटर सड़क निर्माण 9. ज्ञानपुरा कराना रोड से बुर्जा वाया पाली 75 लाख रूपये की लागत से 2.50 किलोमीटर सड़क निर्माण 10. नृसिंह की ढाणी से कुंडली 30 लाख रूपये की लागत से एक किलोमीटर सड़क निर्माण 11. ज्ञानपुरा से कराना रोड वाया खैरवा 9 लाख 60 हजार रूपये की लागत से 0.32 किलोमीटर सड़क निर्माण 12. मंडावरा से अजबपुरा रोड वाया नानगी की ढाणी 60 लाख रूपये की लागत से 2 किलोमीटर सड़क निर्माण सड़कों के निर्माण कार्य की स्वीकृति जारी होने पर विधानसभा क्षेत्रवासियों ने विधायक देवीसिंह शेखावत का आभार प्रकट किया है।

सीदीपुर गाँव में उप -स्वास्थ्य केंद्र खुलवाने के लिए ग्रिवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी नें सी. एम. ओ झज्जर डॉ जयमाला से की मुलाक़ात

मरुधर विशेष

सुनीता सैनी बहादुरगढ़ हल्के के सीदीपुर गाँव में सब -सेंटर (उप -स्वास्थ्य केंद्र)खुलवाने के लिए ग्रिवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी नें सरपंच प्रतिनिधि सोनू के साथ झज्जर सी. एम. ओ डॉ जयमाला से उनके कार्यलय में मुलाक़ात की द्य सैनी नें कहा की अभी फिलहाल गाँव में मातृ, शिशु, ओर सामुदायिक सेवाएं अस्थाई तौर पर लोवा गाँव के किसी सरकारी भवन में दी जा रही है द्य जहाँ आमजन व स्टॉफ के लिए कोई सुविधा नहीं है द्य इसलिए सीदीपुर गाँव में सब -सेंटर बनने से सीदीपुर के साथ -साथ लोवा, व इसरहेड़ी गाँव के लोगो को भी लाभ होगा द्य क्यों की एक ही टेमरेरी सब -सेंटर होने की वज़ह से पास के गाँव के लोग भी परेशान है द्य इसलिए यह सब -सेंटर अति आवश्यक है द्य सैनी नें सीदीपुर के लोगो व मेंबरों से इस कार्य में सहयोग करने की अपील की द्य वही इस सब -सेंटर को जल्द से जल्द बनवाने के लिए मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे वही झज्जर सी. एम. ओ नें बताया की इस सब -सेंटर को बनवाने के लिए विभाग से प्रक्रिया शुरू हो चुकी है द्य जल्दी ही इस की रूप -रेखा बनाकर सरकार के समक्ष भेजी जाएगी द्य ताकि इस का काम जल्द शुरू हो सके द्य इस अवसर पर सैनी के साथ सरपंच प्रतिनिधि सोनू,रोहित प्रधान, बक्तवार सैनी,जयसिंह सैनी आढ़ती, पुनीत प्रधान, आदि मौजूद रहे

सरिस्का वन क्षेत्र मंदिर निर्माण विवादः विधायक के नेतृत्व में ग्रामीणों का प्रतिनिधि मंडल वन विभाग अधिकारियों से मिला, समाधान का आश्वाशन दिया

मरुधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर । क्षेत्र के रामपुर के समीप सरिस्का वन क्षेत्र में मंदिर निर्माण विवाद को लेकर मंगलवार को विधायक देवीसिंह शेखावत के नेतृत्व में ग्रामीणों का प्रतिनिधि मंडल वन विभाग के डीएफओ अभिमन्यु सहारण से मुलाकात की गई। इस दौरान विधायक देवीसिंह शेखावत के नेतृत्व में ग्रामीणों और वन विभाग के अधिकारियों के साथ मामले को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने विधायक देवीसिंह शेखावत और प्रतिनिधि मंडल को आश्वाशन दिया है कि ग्रामीणों को नाजायज परेशान नहीं किया जाएगा और उच्च अधिकारियों से बात कर उचित समाधान निकालने के प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान विधायक देवीसिंह शेखावत, पंचायत समिति सदस्य रामवतार

शर्मा, कल्याणपुरा सरपंच हरफूल मीणा,महेश सैनी, कर्ण ओला, पीडी चौधरी एडवोकेट, भूपेन्द्र चौहान , खेमचंद चौधरी , करण कोक मौजूद रहे।

यह था मामला

8 मई को रामपुर के समीप बांस का कुआं दुर्गा माता मंदिर में हॉल छत का निर्माण किया जा रहा था। जिसको लेकर वन विभाग की टीम निर्माण कार्य रुकवाने गई थी। इस दौरान ग्रामीणों और वन विभाग की टीम के बीच झड़प हो गई जिसमें 3 वनकर्मी घायल हो गए। जिसको लेकर विभाग की ओर से 15 नामजद सहित 150 अन्य ग्रामीणों के खिलाफ मारपीट करने ओर गाड़ियों में तोड़फोड़ को लेकर मामला दर्ज करवाया था। जिसके बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। जिसको लेकर पुलिस ने तीन ग्रामीणों को गिरफ्तार कर लिया था। जिसको लेकर आज विधायक देवीसिंह शेखावत के नेतृत्व में ग्रामीणों का प्रतिनिधि मंडल वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर ग्रामीणों और वन विभाग के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए अधिकारियों से मुलाकात करने पहुंचा था।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक आयोजित

जिला मुख्यालय सहित सभी ब्लॉक में विकसित होगी मॉर्डन लाइब्रेरी

584.73 लाख रुपए के विकास कार्यों का अनुमोदन

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के गवर्निंग काउंसिल की दसवीं बैठक का आयोजन मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में जिले के सभी ब्लॉक में मॉडर्न लाइब्रेरी, ग्राम पंचायतों में खेल मैदान, स्कूलों में भवन निर्माण से संबंधित विभिन्न कार्य अनुमोदित किए गए।

बैठक में बताया गया कि डीएमएफटी फंड में सालाना 2.6 करोड़ रुपए की आय अर्जित होती है। जिले में 540 खनन पट्टे एवं लाइसेंस जारी किए गए है। जिले में डीएमएफटी फंड से अभी तक 246 कार्य किए गए हैं, इन कार्यों पर 53.54 करोड़ रुपए खर्च किए गए है। डीएमएफटी फंड में शेष 584.73 लाख रुपए के विकास कार्यों के अनुमोदन के लिए बैठक का

आयोजन हुआ। बैठक में जिला कलेक्टर श्री काना राम ने बताया कि जिला मुख्यालय सहित सभी ब्लॉक/विधानसभा में मॉर्डन लाइब्रेरी को विकसित किया जाएगा। मॉर्डन लाइब्रेरी में विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए वातानुकूलित हॉल, फर्नीचर, आरामदायक कुर्सियों के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। बैठक में जिला कलेक्टर सहित हनुमानगढ़ विधायक श्री गणेश राज बंसल, नोहर विधायक श्री अमित चाचाण, पीलीबंगा विधायक श्री विनोद गोठवाल, संगरिया विधायक श्री अभिमन्यु पूनिया, जिला परिषद सीईओ श्री ओपी बिश्नोई, नगर परिषद आयुक्त श्री सुरेंद्र यादव, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, सीडीईओ श्री पन्नालाल कड़ेला, सहायक खनिज अभियंता श्री सोहनलाल गुरु मौजूद रहें।

बिजवाड़ चौहान में हनुमान जी महाराज का 5वा विशाल भंडारा एवं मेले का आयोजन

श्रद्धालुओं ने बाबा के दर पर लगाई हाजरी

मरुधर विशेष

शाहजहांपुर (सुनील मेघवाल) शाहजहांपुर के नजदीकी बिजवाड़ कस्बे में मंगलवार को हनुमान जी महाराज का पांचवा विशाल भंडारा एवं मेले का आयोजन हुआ। ग्रामीण श्रद्धालु राजकुमार गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को हनुमान जी महाराज का विशाल भंडारा एवं मेले का आयोजन किया गया ।इसमें आसपास एवं दूर दराज के लोगों ने बाबा के दर पर पहुंचकर मत्था टेक परिवार की खुशहाली की कामना की। भंडारे के दौरान बाबा का प्रसाद दाल, बाटी ,चूरमा श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणवी कलाकारों के द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति पेश की गई। श्रद्धालुओं ने बाबा के भजनों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान महाराम जाट ,तेजपाल यादव, दुलीचन्द मीना, राजकुमार गुप्ता, जगदीश सैनी,मामन, सत्यवीर,बबलू, बुधराम स्वामी ,कपिल ,राजवीर सैनी, राजेश धानका,अमर सिंह सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए आंतरिक शिकायत समिति, उल्लंघन पर 50 हजार रुपए तक जुर्माना

महिला अधिकारिता विभाग ने दिए सख्त निर्देश, 15 दिन में ईमेल पर भेजनी होगी जानकारी

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) महिलाओं के कार्यस्थलों पर सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा लागू लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 के तहत सभी शासकीय व निजी कार्यालयों को अपने-अपने स्तर पर आंतरिक शिकायत समिति गठित करना अनिवार्य है। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक श्री जगदीश चौधरी ने बताया कि ऐसे सभी कार्यालयों, विभागों, संस्थानों एवं प्रशासनिक इकाइयों में, जहां 10 या उससे अधिक कार्मिक कार्यरत हैं, वहां समिति का गठन कर उसका आदेश–जिसमें अध्यक्ष व सदस्यों के नाम, मोबाइल नंबर शामिल हों–कार्यस्थल पर प्रदर्शित किया जाना आवश्यक है।

समिति के गठन की जानकारी 15 दिन के भीतर विभागीय ई-मेल पर भेजनी होगी। यदि समिति का गठन पहले किया जा चुका है और उसकी अवधि 3 वर्ष से अधिक हो चुकी है, तो पुनर्गठन आवश्यक है। साथ ही, यदि समिति के किसी सदस्य का स्थानांतरण हुआ है तो उसके स्थान पर नया मनोनयन किया जाना चाहिए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अधिनियम की धारा 26(1)(ङ्) के तहत उल्लंघन की स्थिति में अधिकतम 50,000 रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

शी-बॉक्स पोर्टल पर अपलोड करें समिति की जानकारी

भारत सरकार द्वारा शी-बॉक्स पोर्टल की शुरुआत की गई है, जहां संबंधित कार्यालयों को अपनी आंतरिक शिकायत समिति की सूचना ऑनलाइन दर्ज करनी होगी। निजी संस्थानों को भी पोर्टल पर प्राइवेट हैड ऑफिस रजिस्ट्रेशन के माध्यम से पंजीयन करना अनिवार्य है। अधिनियम से संबंधित समस्त जानकारी वेब पोर्टल पर उपलब्ध है। निर्धारित प्रपत्रों में जानकारी भरकर विभाग को भेजना अनिवार्य है, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। कार्यशालाओं व जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करना भी नियोक्ता की जिम्मेदारी है।

वीर हनुमान सुंदरकांड मंडल बोरी एवं सपना फाउंडेशन ने आयोजित किया विशाल रक्तदान शिविर

बोरी में 60 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

बांसवाड़ाः हर घर रक्तवीर अभियान को आगे बढ़ाते हुए वीर हनुमान सुंदरकांड मंडल बोरी एवं सपना फाउंडेशन परिवार के संयुक्त तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन राजकीय चिकित्सालय बोरी में किया गया जिसमें 60 रक्तवीरों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में विनय भूषण भट्ट द्वारा तेरहवीं बार, वकील साहब एवं समाजसेवी दुष्यंत जोशी द्वारा बारहवीं बार, देवीलाल भोई लोहारिया द्वारा दसवीं बार, नवीन पंड्या, वेदांत जोशी हितेश भाटिया धर्मेन्द्र पंड्या परमेश बारोट धर्मेन्द्र बारोट किशोर पंड्या राहुल भट्ट मधुकर उपाध्याय निकुंज भट्ट रोहित पाटीदार हितेश पाटीदार मनीष पाटीदार रविन्द्र श्रीमालीभगवती श्रीमाली जितेंद्र पाटीदार आदि द्वारा रक्तदान किया गया।

रक्तदान करने वाले में नारी शक्ति भी अग्रणी रही जिसमें वैवाहिक वर्षगांठ पर वीणा उपाध्याय द्वारा पहली बार रक्तदान किया गया। दो वैवाहिक जोड़े ने किया रक्तदान वैवाहिक जोड़े भूपेंद्र पंड्या एवं रश्मि पंड्या द्वारा रक्तदान किया गया साथ ही नग्मेश लहरी द्वारा नवमी बार एवं दीपिका जोशी द्वारा पहली बार

रक्तदान किया गया। सपना फाउंडेशन द्वारा रक्तविरो एवं शिविर में सहयोग देने वाले समाजसेवियों का उपरणा पहनाकर स्वागत किया गया। रक्तदान शिविर में सपना फाउंडेशन से संस्थापक विश्वंभर मेघवाल सुखवाड़ा मिलिंद आचार्य परतापुर मीडिया प्रभारी मामराज आशीष एवं मयूर यादव उपस्थित रहे। वीर हनुमान सुंदरकांड मंडल बोरी एक ऐसा मंडल है जिसका उद्देश्य धर्म जागरण समाज सेवा और धर्म के प्रति बढ़ती भ्रांतियों को दूर करना है हमारी टीम पूरी निष्ठा से हमेशा सभी प्रकार के कार्य कर लिए तत्पर रहती है एवं सभी सामाजिक कार्यक्रमों में धार्मिक कार्यक्रमों में सहयोग करना और आयोजित करने का कार्य करते है। रक्त संग्रहण का कार्य महात्मा गांधी चिकित्सालय की ब्लड बैंक टीम द्वारा किया गया जिसमें ब्लड बैंक इंचार्ज डॉक्टर समीर खान,राजेंद्र सैनी, जितेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, महेश चंद्र का विशेष सहयोग रहा।

बीएमए सभागार में गुणवता कार्यक्रम आयोजित

मरुधर विशेष

भिवाड़ी।भिवाड़ी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के सभागार में मेसर्स नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) के द्वारा गुणवता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) के संयुक्त निदेशक श्रीमती रिनी नारायण के द्वारा बताया गया कि इस पहल का उद्देश्य विकसित भारत के लिए गुणवता मिशन को प्राप्त करने के लिए एनएबीएल मान्यता के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। सत्र में उद्योगों, निर्माताओं और संभावित प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों और मध्यम और लघु उद्यमों के लाभ के लिए वैश्विक मान्यता और समग्र गुणवत्ता आश्वासन सहित प्रमाणन के दायरे, प्रक्रियाओं, लाभों और प्रभावों को शामिल किया गया। कार्यक्रम में बीएमए के अध्यक्ष चौ. जसबीर सिंह राणा, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र चौहान, मानद् सचिव जी. एल. स्वामी, मानद कोषाध्यक्ष नरेश कुमार गोयल, मानद् सयुंक्त कोषाध्यक्ष गोविंद प्रसाद गुप्ता, उपाध्यक्ष रणधीर सिंह यादव, राजवीर सिंह, गोविंद चांदना, अनुपम शुक्ला, अरूण त्यागी, नितिन गोयल, एस.एस. शेखावत, संयुक्त मानद् सचिव उदेश्वर कुमार मिश्रा, अजित सिंह देशवाल, बासुदेव यादव, नरेश देशवाल, ओ.पी. रावत, पीसी राय, सम्पूर्ण सिंह, शुखदेव सिंह, सी.एस. गुप्ता, अनिल शर्मा, सी.एस. गुप्ता, तरसीम लाल, यौगेश जैन, रोशन महेंदीरत्ता, मनिष सिंह, मनोज कुमार, संत लाल, ईश्वर सिंह आदि उद्योगपति उपस्थित रहे।

एन एस एस के स्वयं सेवको ने परिंडा अभियान पक्षियों के लिए लगाए गए परिंडे

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना कस्बे के राव सोहनलाल पी जी महाविद्यालय नीमराना में मंगलवार को एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर में पक्षियों के भीषण गर्मी से बचाव के लिए परिंडे लगाए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज प्रोफेसर डॉ. एस.पी सिंह द्वारा अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को बताया एवं आग्रह किया कि जिस तरह से हम मनुष्य अपनी देखभाल करते हैं ठीक उसी प्रकार प्रकृति एवं पक्षियों की भी देखभाल भी करनी चाहिए इस दौरान महाविद्यालय प्रबंधन निदेशक नीरज सिंह यादव ने बच्चों को बताया कि आप अपने घर की छत पर भी बेजुबान पक्षियों के लिए दाना व पानी का इंतजाम करें आपकी ये छोटी सी पहल मूक पक्षियों के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. कौशल कुमार कोऑर्डिनेटर प्रियंका यादव एनसीसी प्रभारी प्रवीण कुमार ,महेश कुमार राजेश चौधरी ,कुलदीप कुमार,सुरेंद्र शर्मा,पूजा कुमारी ,नरेंद्र कुमार एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे।

शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर नई पहल, सफाई योद्धाओं का सराहनीय योगदान

नगरपरिषद हनुमानगढ़ का स्वच्छता की दिशा में मजबूत कदम

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) स्वच्छता को प्राथमिकता बनाते हुए हनुमानगढ़ नगरपरिषद ने सफाई व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में नई पहल की है। नगरपरिषद प्रशासक श्री उम्मेदीलाल मीना और नगर परिषद आयुक्त श्री सुरेंद्र यादव के नेतृत्व में शहर में साफ-सफाई की स्थिति में लगातार सुधार देखा जा रहा है। हर दिन तड़के जब शहर सो रहा होता है, सफाई योद्धा गली-गली, नाली-नाली स्वच्छता का संदेश लेकर सफाई कार्य में जुट जाते हैं। सफाई निरीक्षक श्री रमनदीप कौर खुद फील्ड में रहकर सफाई कार्यों की निगरानी करती हैं और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देती हैं। प्रशासक श्री उम्मेदीलाल मीना ने बताया कि न सिर्फ शहर बल्कि आसपास की कच्ची बस्तियों में भी सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई है। साथ ही, इन बस्तियों में पक्की सड़कों और नालियों के निर्माण की भी योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिससे वहां रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

नगरपरिषद जनभागीदारी को भी बढ़ावा दे रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालें और स्वच्छता में सहयोग करें। यह अभियान निश्चित रूप से हनुमानगढ़ को एक स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहर बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास है।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने 15 करोड़ 44 लाख की लागत से बनाई जाने वाली 13 किलोमीटर लंबी सड़क का किया शिलान्यास

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के कर कमलों से सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाइकरण कार्य डीग नगर सड़क से बेढ़म, अढ़ावली, नगला भजना, हयातपुर होकर जटेरी धाम तक का सड़क शिलान्यास कार्य सम्पन्न हुआ।

राम मंदिर के निर्माण में उपयोग किए गए पत्थर से बनेंगे सड़क मार्ग के द्वार

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए यह महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि डेढ़ वर्ष में राज्य सरकार के निर्देशन में जहां कहीं भी राज्य में सेवा देने का अवसर मिला वहां पर पूरी निष्ठा के साथ जनता की सेवा की और जवाबदेही के साथ कार्य पूरा किया। उन्होंने बजट 2025-26 के बारे में बताते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान भजनलाल शर्मा जी से जो भी मांगा उन्होंने जिले के लिए

दिया है। उन्होंने बताया कि जटेरी धाम जाने वाली सड़क 5.30 मीटर चौड़ी बनेगी। इसमें विशेष रूप से सड़कों के बीच में डिवाइडर बनाने के निर्देश दिए गए है ताकि आम लोगों को आवा-जाही में परेशानी न हो। डिवाइडर की अनुमानित चौड़ाई डेढ़ मीटर रहेगी। इस दौरान सड़कों के दोनों ओर पर्याप्त रोशनी के लिए रोड लाइट भी लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त सड़क मार्ग में प्रवेश करने तथा प्रस्थान करने के स्थान पर भव्य द्वार बनाए जाएंगे। श्री बेढ़म ने कहा कि आमजन के मंशा के अनुरूप राम मंदिर में उपयोग की गई पत्थर से ही इस सड़क मार्ग के दोनों ओर द्वारा बनवाए जाएंगे। एक द्वारा खोह में बनाया जाएगा जबकि दूसरे द्वार का निर्माण सेऊ में होगा।

आगामी समय में 50 से अधिक सड़कों का होगा लोकार्पण

उन्होंने बताया कि मवई से जनुथर सड़क को भी राज्य सरकार की मंजूरी मिल गई है एवं आगामी समय में 50 से अधिक सड़कों का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आजादी से अब तक क्षेत्र में 11 जीएसएस स्थापित किए गए थे जबकि भजनलाल सरकार के 1.5 साल के कार्यकाल के अंदर ही 11 जीएसएस स्थापित होने जा रहे है। इनमें 6 जीएसएस में कार्य जारी है एवं 5 जीएसएस के टेंडर जल्द ही खुलने वाले है। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में नगर विधानसभा में डेढ़ साल के अंदर ही 1000 करोड़ से भी ज्यादा का कार्य स्वीकृत किया जा चुका है।

आम लोगों ने कहा सड़क बनने से शिक्षा व रोज़गार के अवसर मिलेंगे

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मूलभूत इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सड़क, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ रोज़गार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा हर विधानसभा क्षेत्र के लिए कार्य किए गए हैं जिससे आमजन को काफी लाभ पहुंच रहा है। पहाड़ी से बासबुर्जा सड़क के बारे में बताया गया कि लहरवाड़ा से 52 करोड रुपए की सड़क जल्द ही आमजन को देखने को मिलेगी इसमें पान्हौरी में प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। सड़क मार्ग का भूमि अधिग्रहण कार्य ग्रामीण वासियों से चर्चा कर पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही नगर बाईपास, रिंग रोड, सुंदरावली बाईपास, जनूथर बाईपास, सड़कों के नवीनीकरण के कार्यों को भी मंजूरी मिल गई है और जल्द ही इन पर कार्य शुरू किया जाएगा। नगर विधानसभा क्षेत्र के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार द्वारा सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ अपराध नियंत्रण पर भी अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जटेरी धाम तक सड़क जाने से हमारा गांव बरसाना से जुड़ पाएगा जिससे यहां के लोगों को आर्थिक फायदा मिलेगा। लोगों ने कहा कि सड़क बनने से शिक्षा व रोज़गार के अवसर मिलेंगे जिससे गांव का विकास होगा।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732